ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष नवमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 337 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
04 जून 2025 बुधवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

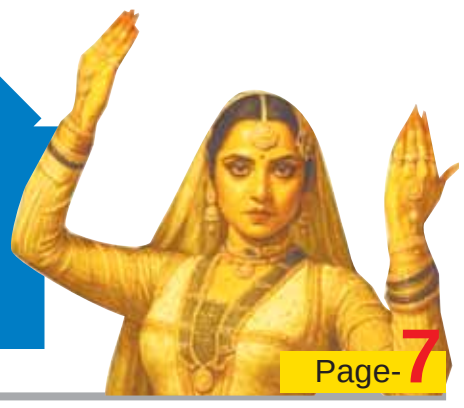

Page-7

भाजपा के पचमढ़ी ट्रेनिंग कैंप की विषयवस्तु तैयार

शाह-देवडा एपिसोड के बाद जनता के बीच व्यवहार के तरीके सीखेंगे मंत्री-विधायक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अब भाजपा अपने सांसदों विधायकों को पचमढ़ी में जनता के बीच व्यवहार करने के तौर–तरीके सिखाने का बीड़ा उठा रही है। दरअसल माना जा रहा है कि हाल में भाजपा नेताओं द्वारा की गई बयानबाजी और खुद मंत्रियों विजय शाह, जगदीश देवडा आदि द्वारा संयम खोते हुए दिये गये बयानों से बुरी तरह घिरी भाजपा को यह काम हाथ में लेने की जरूरत पड़ी है। पीएम मोदी ने भी बीते दिनों दिल्ली में अनावश्यक बयानबाजी से बचने की हिदायत दी थी। पचमढी में केंद्रीय मंत्री अमित शाह की मौजूदगी भी एक दिन के लिए संभावित है। माना जा रहा है कि अन्य राज्यों मे भी इस तरह के ट्रेनिंग कैंप हाथ में लिये जा सकते हैं। पचमढी में 14 जून को योग और चुनावी चुनौतियों का सामना करने के टिप्स के अलावा चुनावों के समय क्षेत्रों में आने वाली चुनौतियों से निपटने के तरीके और सोशल मीडिया प्रबंधन से लेकर पंच परिवर्तन के टिप्स भी दिए जाएंगे। सीएम मोहन यादव ने अपने मंत्रियों को यह जानकारी कल शाम पचमढी में कैबिनेट बैठक के बाद तो दी है अब भाजपा संगठन भी अपने कुछ पदाधिकारियों को इस ट्रेनिंग कैंप के बारे में अवगत कराने में जुटा है। यह कैंप 16 जून तक चलेगा, इसमें कुछ केंद्रीय मंत्री भी हिस्सा लेंगे। भाजपा अपने सांसद, विधायकों को लोकमाता देवी अहिल्या बाई के सुशासन से प्रेरणा लेने के लिए एक लघु नाटिका का मंचन भी दिखाएगी।

ये भी सीखेंगे सांसद-विधायक

पहले दिन- विचार व कार्यपद्धति की सीख, जनता के बीच लोक व्यवहार व दिनचर्या के टिप्स **दूसरे दिन**- योग व प्रार्थना, प्रणायाम को जीवन में अनिवार्य करने व अच्छे जनप्रतिनिधि के रूप में स्वयं को स्थापित करने की शिक्षा व सोशल मीडिया प्रबंधन के साथ ही मप्र 2047 के अवसर व चुनौती के बारे में जानकारी। निर्वाचन क्षेत्र प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी, चुनावों के दौरान जरूरी कदमों की जानकारी। सदन में स्वयं की भूमिका का पाठ पढ़ाया जाएगा। **तीसरा दिन**- योग, प्रार्थना, पंच परिवर्तन एवं शताब्दी कार्यक्रम, विकसित भारत, मोदी सरकार के परिवर्तनकारी कदमों से रूबरू कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज दिव्यांगजन को नियुक्ति पत्र तथा अन्य हितलाभ वितरण कार्यक्रम का खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में शुभारंभ किया। इस दौरान लोनिवि मंत्री राकेश सिंह, सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, महापौर मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी उपस्थित थे। सीएम ने मंत्री राकेश सिंह को आज जन्मदिवस पर शुभकामनाएं भी दीं। मोहन यादव आज उमरिया और रीवा जिले के दौरे पर रहेंगे। वे भोपाल से मानपुर विधानसभा के पाली रवाना होंगे। पाली में वे पेसा क्षेत्र के प्रतिनिधियों के जागरूकता स मेलन में भाग लेंगे। शाम को वे रीवा जिले के मनगवां में महिला स्व सहायता समूह सशक्तिकरण स मेलन में भाग लेने के साथ विकास कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे।

मप्र : राहुल के नए शब्दों का अर्थ समझने सरगोशी तेज, भविष्य को लेकर फिक्रमंद अंगद

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र में कांग्रेस संगठन का नये सिरे से सृजन के राहुल-फार्मूले से नेताओं के बीच कई तरह की शंकाएं-चिंताएं सताने लगी हैं। राहुल गांधी ने रेस, बारात व लंगड़े घोड़े के अपने पुराने जुमले का मप्र में पहली बार उपयोग करके नेताओं को चिंता में डाल दिया है। इसमें लंगड़ा घोड़ा एक नया शब्द-संकेत है। इसके जरिये लगातार चुनाव हारने वाले या भाजपा को फायदा पहुंचाने वाले काम करके कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रहे नेताओं के लिये संकेत साफ छिपा है। राहुल ने भोपाल में कांग्रेस के लगातार बैठकों के दौरान यह भी कहा है कि हमारे मैदानी लोग बहुत अच्छा काम करते हैं लेकिन दो चार ऐसे नेता होते हैं जो अपनी बयानबाजी से सारा माहौल बिगाड़ देते है, इसका फायदा विरोधी दल को होता है। इस बात के पीछे यह भी संकेत छिपा है कि हाल में जिन नेताओं ने आपत्तिजनक टिप्पणी की हैं, उन्हें कार्रवाई के दायरे में लिया जाएगा। जानकार सूत्र बताते हैं कि भोपाल में राहुल के दौरे के बाद अगला एक पखवाड़ा बहुत अहम है, इसमें तेजी से कुछ निर्णय होंगे। इसके अलावा केंद्र से भेजे जा रहे पर्यवेक्षकों के फैसलों या सलाहों पर भी नजर रखे जाने की व्यवस्था की जाएगी, ताकि बड़े नेताओं का हस्तक्षेप रोका जा सके।

मप्र में जब संगठन सृजन का आकार सामने आ जाएगा तब मप्र के दिग्गज कांग्रेस नेताओं की क्या भूमिका होगी, इस पर भी चर्चा चल पड़ी है, इसमें कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, अजय सिंह, कांतिलाल भूरिया जैसे नाम हैं। जानकार सूत्र का कहना है कि इन नेताओं की भूमिका को सीमित किया जाएगा और ट्रेक रेकार्ड के आधार पर ही काम लिया जाएगा। अगले ढाई साल में नये नेतृत्व को स्थापित करने का काम तेजी से चलेगा। वहीं राहुल के दौरे व बातों के बाद प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी को भी पार्टी के भीतर मजबूती मिलेगी, राहुल ने परोक्ष संदेश दिया है कि अभी पटवारी ही आगे उनके सृजन अभियान का चेहरा होंगे। अगले चुनाव में टिकट वितरण में जिलाध्यक्ष महत्वपूर्ण भूमिका में आ जाएंगे, अलबत्ता खुद जिलाध्यक्ष टिकट के दावेदार नहीं बन सकेंगे। हालांकि प्रदेश कांग्रेस के अंदरखाने पदाधिकारियों के बीच भी घबराहट है कि उनका भविष्य क्या होगा, इनमें कई टिकट के दावेदार हैं और कई पद बचाने के तलबगार हैं। यदि सूत्रों की मानें तो भोपाल बैठक के पहले दिल्ली में मप्र के बारे में बारीकी से स्कैनिंग की गई है। इसमें कई नेताओं को उनके चुनावी कॅरियर,बयान आदि की कसौटी से परखा गया है। इसके अलावा निष्ठा के मामले में कम से कम पचास नेताओं को तौला गया है।

पूर्वोत्तर के हालात बिगड़े, 626 लैंडस्लाइड, मप्र के 17 जिले भीगेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

मानसून की तेज बारिश के बाद पूर्वोत्तर में तबाही का दौर है। मणिपुर में बाढ़ से 1.64 लाख लोग प्रभावित हैं। 35 हजार से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है। 4 दिन में 100 से ज्यादा लैंडस्लाइड की घटनाएं हुई हैं। नगालैंड को मणिपुर से जोड़ने वाला राजमार्ग धंस गया है। इधर, मिजोरम सरकार ने टूरिस्ट्स के लिए एडवाइजरी जारी कर कहा है कि 13 जून तक यहां आने से बचें। यहां 24 मई से 3 जून तक 11 दिनों में राज्य में 626 लैंडस्लाइड की घटनाएं हुई हैं। इधर मुंबई में आज सुबह हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने कल के लिए चेतावनी जारी की है। मध्य प्रदेश और बिहार में भी आंधी-बारिश का दौर जारी है। आज दोनों राज्यों में 60 किमी की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट है। आज मप्र के भोपाल समेत 17 और बिहार के 29 जिलों में बारिश होने की संभावना है। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। खान ने कहा कि जनरल मुनीर ने बदला लेने के लिए मेरी पत्नी बुशरा बीवी को जेल में बंद किया था।

जीत के बाद बोले विराट, तुमने मुझे बहुत इंतजार कराया...

अहमदाबाद। क्रिकेटर विराट कोहली ने अपनी टीम आरसीबी की आईपीएल ट्राफी में जीत के बाद एक मैसेज खुद इस ट्राफी के लिये भी लिखा है। आरसीबी के पूर्व कप्तान ने लिखा- जहां तक आईपीएल ट्रॉफी की बात है तुमने मुझे 18 साल इंतजार करवाया, लेकिन अब जब तुम्हें उठाया और जीत का जश्न मनाया तो लगा कि ये इंतजार वाकई खास था। कोहली ने जीत के बाद सोशल मीडिया पर चार फोटो शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ये टीम ही है जिसने इस सपने को पूरा किया। ये सीजन मैं कभी नहीं भूलूंगा। हमने पिछले ढाई महीने दिल से खेले और हर पल का आनंद लिया। ये जीत उन फैंस के लिए है जो हर मुश्किल वक्त में हमारे साथ खड़े रहे। ये जीत हर उस कोशिश के लिए है जो हमने इस टीम के लिए मैदान पर दी।

असंतुलित होकर कार पर पलटा ट्राला, 9 मौतें

झाबुआ, एजेंसी। मप्र में मेघनगर इलाके में आज तड़के भीषण सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। राजस्थान से सीमेंट लेकर आ रहा एक ट्रक, मारुती ईको वैन पर पलट गया। ईको में सवार 11 लोगो में से 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा 3 से 4 बजे के करीब हुआ। पुलिस ने बताया कि एक ही परिवार के लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे तब हादसा हुआ। झाबुआ के पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ला ने बताया, ट्रक मेघनगर तहसील इलाके के अंतर्गत संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास एक अस्थायी सड़क से निर्माणाधीन रेल ओवर-ब्रिज को पार कर रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह एक वैन पर पलट गया। हादसे में 5 साल के बच्चे समेत दो गंभीर घायल हैं।

अब ख्याति को अमरपाटन में खतरे का अंदेशा!

कटनी, एजेंसी

हाल में विवाद के बीच कटनी से स्थानांतरित हुई डीएसपी ख्याति मिश्रा ने मैहर में अपनी आमद तो दर्ज करा दी, लेकिन वहां के अमरपाटन में ज्वाइनिंग नहीं ली। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने एसपी को लिखा है कि यहां ड्यूटी के दौरान उन्हें खतरा हो सकता है, क्योंकि उनके पति तहसीलदार शैलेंद्र बिहारी शर्मा पूर्व में अमरपाटन में तैनात रह चुके हैं। अभी वे दमोह में पदस्थ हैं। डीएसपी के पिता, बेटे व तहसीलदार के स्वजन के साथ कटनी सीएसपी बंगले में गत 31 मई की रात हुई मारपीट की घटना के बाद कटनी एसपी अभिजीत रंजन को मुख्यमंत्री के निर्देश पर हटा दिया गया।

मेघालय में लापता इंदौर के ट्रांसपोर्ट व्यवसायी की हत्या

इंदौर, एजेंसी

मेघालय में इंदौर के ट्रांसपोर्टर राजा रघुवंशी की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हो रहा है। खबरों के मुताबिक राज्य के पूर्वी खासी हिल्स के एसपी विवेक सिम ने बताया कि राजा रघुवंशी की हत्या पेड़ काटने के हथियार से की गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। सिम ने बताया कि हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। अब जल्द ही इस मामले में खुलासा किया जाएगा। ज्ञात हो कि हनीमून पर मेघालय के शिलांग गए इंदौर के राजा रघुवंशी का शव 11 दिन बाद सोमवार को एक गहरी खाई में मिला था। कल शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी अभी भी लापता है। जिसकी तलाश में एनडीआरएफ भी सर्च ऑपरेशन चला रही है। परिजन राजा का अंतिम संस्कार इंदौर में ही करेंगे। राजा रघुवंशी के भाई विपिन ने मीडिया को अपहरण और हत्या की आशंका जताई है। विपिन ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने मेघालय पुलिस पर मामले को दबाने का आरोप लगाया व कहा कि राजा का पर्स, ब्रेसलेट, गले की चेन, बैग, अंगूठी और पावर बैंक आदि बरामद नहीं हुए हैं। बता दें सोहरा के डबल डेकर घूमने के लिए राजा ने एक गाइड को लिया था, वे नीचे गए और घूमकर ऊपर आए। वापसी के वक्त उन लोगों के साथ बातचीत हुई थी।

पत्नी की तलाश

मेट्रो एंकर

मुंबई में 638 करोड़ का फ्लैट के खरीद, दिल्ली में भी आसमानी कीमतें

अरबों की डील...आखिर कौन हैं यह लोग, कहां से आ रहे !

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत को लेकर अक्सर दो थ्योरी की बात की जाती है, कई बार भारत के दो रूपों पर भी बात होती है। एक बड़ा रूप ग्रामीण व काफी हद तक अभावग्रस्त लोगों का है। दूसरी तरफ लकदक अमीरों की छोटी सी जमात है। जो अरबों खरबों में खेल रही है। मसलन हाल में दवा कंपनी यूएसवी लिमिटेड की चेयरपर्सन लीना गांधी ने मुंबई के वर्ली इलाके में 635 करोड़ रुपये में दो डुप्लेक्स फ्लैट खरीदे। दोनों का कुल एरिया 22,572 वर्ग फीट है। यानी एक वर्गफीट की कीमत 2.83 लाख रुपये है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह भारत में अब तक की सबसे महंगी डील है।

दरअसल, कुछ साल में, भारत के बहुत अमीर लोगों ने घरों में खूब पैसा लगाया है। इससे देश प्रापर्टी का बाजार बदल गया है। लीना के अलावा कोटक परिवार ने मुंबई में समुद्र के सामने वाली एक पूरी बिल्डिंग लगभग 628 करोड़ रुपये में खरीदी थी। डीमार्ट के मालिक आरके दमानी ने मालाबार हिल में 1000 करोड़ रुपये का एक पुराना बंगला खरीदा। अर्थात भारत के अमीर सिर्फ शेयर बाजार या स्टार्टअप में ही नहीं बल्कि जमीन और मकान में भी खूब पैसा लगा रहे हैं।

हालांकि सवाल उठता है कि ये लोग इतनी महंगी प्रॉपर्टी क्यों खरीद रहे हैं? तो, पहली वजह यह कि लोगों को लग रहा है कि भारत में लग्जरी घरों का बाजार बहुत अच्छा चल रहा है। खासकर दिल्ली के लुटियंस, मुंबई के मालाबार हिल और वर्ली और गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड जैसे इलाकों में। इस वजह से कीमतें आसमान छू रही हैं। लीना गांधी तिवारी ने जो फ्लैट 2.83 लाख रुपये प्रति वर्ग फीट में खरीदा, वह नया रेकॉर्ड है। गुरुग्राम में डीएलएफ केमेलीज में कीमतें 1.17 लाख रुपये प्रति वर्ग फीट तक पहुंच गई हैं। जो महंगे घर खरीद रहे हैं वे ये सिर्फ रहने के लिए नहीं बल्कि निवेश भी हैं। इससे भविष्य में लग्जरी अपार्टमेंट या मिक्स-यूज प्रोजेक्ट बनाए जा सकते हैं, जिनसे अच्छी कमाई हो सकती है।

यहां बढ़ रही कीमतें

एक रिपोर्ट के अनुसार मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली दुनिया के उन 15 शहरों में शामिल हैं जहां लग्जरी घरों की कीमतें सबसे तेजी से बढ़ रही हैं। इस लिस्ट में बेंगलुरु चौथे, मुंबई पांचवें और दिल्ली पंद्रहवें नंबर पर है। इस रिपोर्ट में दुनिया के 45 शहरों के लग्जरी घरों की कीमतों का अध्ययन किया गया है। नाइट फ्रैंक वेल्थ रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत में बहुत अमीर लोगों की संख्या पिछले साल 6 फीसदी बढ़कर 85,698 हो गई। 2028 तक यह संख्या 93,753 तक पहुंचेगी। इन लोगों ने अपनी संपत्ति का 32 फीसदी हिस्सा घरों में लगाया है, जबकि 2020 में यह आंकड़ा 25 फीसदी था।

मुनीर ने मेरी बीवी से बदला लिया - इमरान

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने पोस्ट में कहा है - जब मैंने प्रधानमंत्री रहते हुए आसिम मुनीर को आईएसआई चीफ के पद से हटाया, तो उन्होंने मेरी पत्नी बुशरा बीबी से संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन बुशरा ने साफ मना कर दिया और कहा कि वह ऐसे मामलों में नहीं पड़ती हैं। इसके बाद उन्हें एक के बाद एक झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। जबकि वह एक हाउस वाइफ हैं, उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पिछले चार हफ्तों से उनसे मिलने की इजाजत भी नहीं दी गई।

पतंजलि के साथ मिलकर एम्स के आंगन में दुर्लभ पौधे लगाए जाएंगे

एम्स में जल्द ही जड़ी-बूटियों पर रिसर्च और इलाज !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब राजधानी के एम्स अस्पताल में सिर्फ एलोपैथी का इलाज ही नहीं, बल्कि पुरानी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का खजाना भी मिलेगा इसके लिये एम्स और बाबा रामदेव की पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन मिलकर प्रदेश का सबसे बड़ा हर्बल गार्डन बनाएंगे। इसके लिये करार हुआ है। यह सिर्फ पेड़-पौधे लगाने तक सीमित नहीं होगा, बल्कि यह इलाज के नए और सस्ते तरीके ढूंढने में भी मदद करेगा। यह हर्बल गार्डन कोई साधारण बगीचा नहीं होगा। इसमें सिर्फ मध्य प्रदेश के ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों और पूरे देश में मिलने वाले उन खास औषधीय पौधों को लगाया जाएगा जो शायद आपने पहले कभी न देखे हों। दरअसल, एम्स का मानना है कि इन पौधों में कई बीमारियों को ठीक करने की ताकत है, जिनके बारे में हम भूलते जा रहे हैं। बताया जाता है कि एम्स और पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन की टीमें ऐसे ट्राइबल वैद्य, हकीम या बुजुर्गों से मिलेंगे, जो इस पारंपरिक ज्ञान को जानते हैं। उनकी मदद से पौधों की पहचान करेंगे। जो जड़ी-बूटियां खोजी जाएंगी, उन पर एम्स में वैज्ञानिक रिसर्च की जाएगी। इससे पता चलेगा कि वे कितनी असरदार हैं, उनमें कौन से रासायनिक तत्व हैं। अगर ये पारंपरिक औषधियां वैज्ञानिक रूप से प्रभावी साबित होती हैं, तो उनसे नई, सस्ती और असरदार दवाएं बनाई जा सकेंगी। इससे आम लोगों को कम खर्च में बेहतर इलाज मिल पाएगा।

रिच ट्राइबल मेडिसिन के मामले में एम्स निदेशक डा अजय सिंह का कहना है कि कई ऐसे इलाके हैं जहां बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय रहते हैं। ये समुदाय सदियों से जंगलों और प्रकृति के करीब हैं। इन समुदायों के पास पेड़-पौधों, जड़ों, पत्तियों और छालों से बीमारियों का इलाज करने का बहुत पुराना और गहरा ज्ञान है। यह ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक रूप से चलता रहता है। इसे समृद्ध इसलिए कहा गया है क्योंकि इस ज्ञान में कई ऐसी जड़ी-बूटियां और उनके इस्तेमाल के तरीके शामिल हैं जिनके बारे में आधुनिक विज्ञान अभी भी पूरी तरह नहीं जानता।

तीन चरणों में विकसित होगा गार्डन

जानकारी के मुताबिक पहले चरण में आसानी से उगने वाले पौधे- शुरुआत में उन औषधीय पौधों को लगाया जाएगा जिन्हें उगाने के लिए किसी खास इंतजाम (जैसे एसी या खास मिट्टी) की जरूरत नहीं होती। फिर दूसरे चरण में एम्स की टीम मध्य प्रदेश के आदिवासी इलाकों में जाएगी, जहां आज भी लोग इलाज के लिए अपनी पुरानी जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल करते हैं। इन छुपी हुई औषधियों को तलाशा जाएगा, उनकी पहचान की जाएगी और फिर उन्हें एम्स के हर्बल गार्डन में लगाया जाएगा ताकि उन पर रिसर्च की जा सके। तीसरा चरण उत्तराखंड में मिलने वाले बहुत ही महत्वपूर्ण औषधीय पौधों को लगाया जाएगा। देशभर से कुछ %एग्जॉटिक% यानी दुर्लभ और खास जड़ी-बूटियों को भी लाया जाएगा। चूंकि इन पौधों को भोपाल के मौसम में जिंदा रखना मुश्किल हो सकता है, इसलिए इन्हें खास आर्टिफिशियल सेटअप (नकली वातावरण) में रखा जाएगा। जिससे वो बिना समस्या के पनप सकें।

प्लेटफार्म की चौड़ाई बढ़ेगी, सेकेंड एंट्री की भी कवायद

स्टेशन पर 10 करोड़ की नई यात्री सुविधा मुहैया कराने का प्रोजेक्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के पुराने हबीबगंज स्टेशन को आरकेएमपी के रूप में नया रंग देने के बाद अब रेलवे का फोकस शहर के मुख्य स्टेशन पर है। स्टेशन पर यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए लगातार नये रास्ते खोजे जा रहे हैं। अब फिर इसकी नयी तैयारियां तेज़ हो गई हैं।

ताजा कड़ी में स्टेशन पर करीब 10 करोड़ रुपए की लागत से यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इसमें प्लेटफॉर्म की चौड़ाई बढ़ाने से लेकर सेकेंड एंट्री और अन्य सुविधाओं को अपग्रेड करने तक के काम शामिल हैं। चूंकि प्लेटफॉर्म आइलैंड होते हैं, जिनके दोनों तरफ पाइंट और क्रॉसिंग होती है। भोपाल स्टेशन पर अभी तीन, चार, पांच वर्क सेशन हैं, जिन्हें जल्द ही बढ़ाया जाएगा। साथ ही प्लेटफॉर्म 4, 5 और 7 की लंबाई बढ़ाई जाएगी ताकि लंबी दूरी की ट्रेनों की आसानी से पार्किंग हो सके। डीआरएम ने कहना है कि हमारा अमृत स्टेशनों पर खास फोकस है। यहां प्लेटफॉर्म की चौड़ाई बढ़ाई जा रही है। सेकेंड एंट्री के लिए अलग से 10 करोड़ रुपए का बजट मिला है। यह एक्स्ट्रा वर्क के तौर पर स्वीकृत हुआ है। इससे यात्रियों को आने-जाने में ज्यादा सुविधा होगी।

बेंचों की संख्या बढ़ेगी

स्टेशन पर बैठने की सुविधा बढ़ाने के लिए भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डीआरएम ने बताया कि बेंचों की संख्या बढ़ाई जा रही है ताकि यात्रियों को प्रतीक्षा के दौरान दिक्कत न हो। बता दें कि भोपाल स्टेशन पर रोजाना 40 से 50 हजार तक यात्री आते हैं और यहां से रोजाना 220 ट्रेनें अप व डाउन में गुजरती हैं। चूंकि इन दिनों ट्रेनों की आवाजाही में देरी चल रही है इसलिये प्लेटफार्म पर यात्रियों का भारी जमावडा भी रहता है। लोग जमीन पर बैठे नजर आते हैं।

निशातपुरा को लेकर ऊहापोह, तैयारी पूरी

राजधानी में चौथे स्टेशन के रूप में अब निशातपुरा को स्थापित करने के पूरे प्रयास जारी है। यह स्टेशन भी नये निर्माण आदि के चलते पूरी तरह तैयार हो गया है। अब सिर्फ ऊपर से निर्देश मिलने का इंतजार है। जैसे ही निर्देश मिलेंगे, रेल्वे संचालन शुरू हो जाएगा। इससे पहले भोपाल में निशातपुरा स्टेशन को लेकर डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी ने प्रोजेक्ट में देरी के कारणों के बारे में बताया था कि एनएसजी-3 कैटेगरी में कर दिया गया था। इसके चलते पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम को अपग्रेड किया किया गया है। साथ ही कवर एरिया को भी बढ़ाया गया है। जानकारी के अनुसार, निशातपुरा स्टेशन को 2017 से पहले सी कैटेगरी में रखा गया था। उल्लेखनीय है कि हाल मे मालवा एक्सप्रेस को यहीं से चलाए जाने को लेकर भी रेल्वे उहापोह में है क्योंकि इसका समर्थन और विरोध दोनो जारी हैं।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने आयुक्त से प्रतिवेदन भी मांगा

स्कूल में अव्यवस्थाएं, मानव अधिकार आयोग ने दिए जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल के अधिकांश सरकारी स्कूलों में अव्यवस्था होने का मामला मप्र मानव अधिकार आयोग के संज्ञान में आया है।?मामले में आयोग ने आयुक्त, स्कूल शिक्षा विभाग को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है किबीते सोमवार को खुले राजधानी के करीब 800 सरकारी स्कूलों में से अधिकांश स्कूलों के परिसर में गंदगी का ढेर, कमरों में जाले लगे हुये पाए गए है। और स्कूलों के खिड़की-दरवाजे भी टूटे हुये मिले है। इन सभी कार्यों की मरम्मत के लिये मास्टर साहब को मात्र दो हजार रूपये दिये जाते है। जिससे उन्हें स्कूल की मरम्मत का कार्य कराया जाना है।

माशिमं की द्वितीय परीक्षा के आवेदन 8 जून तक

भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा वर्ष 2025 की हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट द्वितीय परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आवेदन-पत्र भरने की तिथि 8 जून तक बढ़ा दी गयी है। पहले यह तिथि 31 मई 2025 तक निर्धारित की गयी थी। सचिव माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने बताया कि हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा में केवल अनुत्तीर्ण विषयों के लिए 8 जून 2025 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन करने का अंतिम अवसर प्रदान किया जा रहा है। ऑनलाइन परीक्षा आवेदन भरने के लिये पूर्व में जारी किये गये निर्देश यथावत लागू रहेंगे।

भोपाल जिले के दो मामलों में लिया संज्ञान

कुत्तों के झुंड का हमला, ऑटो से टकराए छात्र, आयोग ने निगम आयुक्त से मांगा जवाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल शहर के कोतवाली के लखेरापुरा में कुत्तों के हमले में दो पहिया वाहन सवार छात्रों के लोडिंग ऑटो के सामने गिरकर घायल होने के मामले में संज्ञान है। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त ने जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

आयोग के संज्ञान में आया है कि दो पहिया वाहन सवार दो छात्र सड़क से जा रहे थे, तभी अचानक कुत्तों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया और वह असंतुलन होकर सामने से आ रही लोडिंग ऑटो के सामने गिर गये और टायर की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गये। घायल छात्रों का एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिसमें एक छात्र की हालत गंभीर बनी हुई है। शहर में आये दिन हो रहे कुत्तों के हमलों में शहरवासियों के साथ कई हादसे होते है। लेकिन इसके बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कदम या कार्यवाही नहीं की जा रही है।

दोस्तों के साथ नहाने गया किशोर डूबा, मौत

भोपाल जिले के वीआईपी रोड स्थित शीतला माता मंदिर के पास बड़े तालाब में नहाने गए एक किशोर की पानी में डूबने से मृत्यु होने की घटना सामने आई है। मामले में आयोग ने कलेक्टर से जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

कायस्थम की प्रदर्शनी का अवलोकन

भोपाल। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कायस्थम द्वारा शरद श्रीवास्तव के छायाचित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था । मप्र राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर छायाचित्रों और कायस्थम की सराहना की । इस अवसर पर कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव, सचिव डॉ रश्मि सक्सेना, संयुक्त सचिव अजय भटनागर, कोषाध्यक्ष मुकुल अस्थाना, फोटोग्राफर शरद श्रीवास्तव, कार्यकारिणी सदस्य अनुराग श्रीवास्तव, अजय निगम एवं संजय खरे, नितिन सक्सेना, उमंग खरे आदि उपस्थित थे।

खतरा....

भोपाल के पुराने शहर में प्रशासन की लापरवाही के कारण जगह-जगह सीवेज के टैंक खुले हुए हैं।

मेट्रो एंकर एनसीसी के विशेष संयुक्त राज्य प्रतिनिधि और अतिरिक्त, उप महानिदेशक सम्मेलन का आयोजन

अनुशासित, जिम्मेदार और प्रेरित युवाओं को तैयार करने में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका : रक्षा राज्य मंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के विशेष संयुक्त राज्य प्रतिनिधि और अतिरिक्त, उप महानिदेशक सम्मेलन का आयोजन राजधानी स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में हुआ। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।?इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री, युवा एवं खेल मंत्री, रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा एनसीसी कार्यालय के मामलों को संभालने वाले राज्य विभागों के प्रतिनिध, सभी राज्यों के एनसीसी प्रमुख और डीजीएनसीसी मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि एनसीसी केवल एक प्रशिक्षण संस्था नहीं, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण

की नींव है। एनसीसी कैडेटों द्वारा स्वच्छ भारत मिशन, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सेवा कार्यों में बेहतर भूमिका निभाई जा रही है।?नेतृत्व कौशल विकसित करते हुए अनुशासित, जिम्मेदार और प्रेरित युवाओं को तैयार करने में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका है। विस्तार से एनसीसी प्रशिक्षकों के रूप में भूतपूर्व सैनिकों (ईएसएम) के लिए रोजगार के अवसर भी खुलते हैं, जिसकी पहल हो चुकी हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से विस्तार का समर्थन करने कि लिए आवश्यक जनशक्ति, वित्त पोषण और बुनियादी ढांचा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करने का आग्रह किया।

एनसीसी में 3 लाख कैडेटों का विस्तार करना

सम्मेलन का मुख्य एजेंडा एनसीसी में 3 लाख कैडेटों का विस्तार करना था, जिसके लिए कई राज्यों ने पहले ही अपनी सहमति दे दी है। राज्यों ने इस विस्तार को समर्थन देने के लिए आवश्यक संबंधित प्रशिक्षण अवसंरचना परियोजनाओं की त्वरित मंजूरी और सुविधा का भी आश्वासन दिया। डीजी एनसीसी ने एनसीसी की प्रगति और उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य के विस्तार की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

प्रमुख राजस्व आयुक्त व आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालय होंगे मर्ज

अब फुल टाइम काम करेंगे राजस्व कोर्ट, जनता को जल्दी न्याय

अधीक्षक भू-अभिलेख एवं सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख अधिकारियों को मिलेंगे तहसीलदार, नायब तहसीलदार के सामान अधिकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब प्रदेश के राजस्व कोर्ट फुल टाइम काम करेंगे। तहसीलदार व नायब तहसीलदार इनमें बैठेंगे और जमीन के प्रकरणों में विवाद से जुड़े मामलों, राशन कार्ड बनाने, स्थानीय निकायों की नौकरियों में विवाद, गबन की राशि वसूली संबंधी प्रकरणों और जाति प्रमाण पत्र समेत अन्य राजस्व मामलों की हर दिन सुनवाई होंगी। अभी तक इन्हें गैर न्यायिक काम जैसे वीवीआइपी और वीआइपी प्रबंधन, मेले व सरकारी आयोजन कराने, हर तरह के नुकसान का आंकलन कराने जैसे कामों में लगा दिया जाता था, जिसके कारण राजस्व न्यायालय महीने में कई दिन खुलते ही नहीं थे, केवल तारीख पर तारीखें मिलती थीं। अब ऐसा नहीं होगा। जब राजस्व कोर्ट पूरे समय चलेंगे तो मामलों के अटकने के सवाल ही नहीं होंगे। इसका फायदा आम जनता को होगा। जल्दी न्याय मिल सकेगा। अभी वर्षों लग जाते हैं। मोहन कैबिनेट ने इस गंभीर समस्या को देखते हुए राजस्व विभाग की वर्षों पुरानी व्यवस्था में प्रमुख राजस्व आयुक्त व आयुक्त भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त कार्यालय को मर्ज करने के एक प्रस्ताव को मंगलवार पचमढ़ी में मंजूरी दी है। अब भू-संसाधन प्रबंधन नाम से नया कार्यालय होगा। हिल स्टेशन पचमढ़ी में राजा भभूत सिंह की याद में कैबिनेट बैठक की है। मोहन सरकार ने इसके पहले लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा को एक कर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा कर दिया है।

राजा भभूत सिंह के नाम पचमढ़ी अभयारण्य

पचमढ़ी वन्यजीव अभयारण्य का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर रखा जाएगा। कैबिनेट ने इस पर सहमति दे दी है। राजा भभूत सिंह ने 1857 की क्रांति में अंग्रेजों को कई मोर्चों पर पस्त किया था। इतिहास में उनके नाम अंग्रेजों से गौरिल्ला युद्ध लड़ने और उन्हें सतपुडा की वादियों से खदेड़ने का जिक्र मिलता है।

कम श्रमिकों से काम नहीं, ज्यादा रखने होंगे

केंद्र के समान कुछ श्रम कानूनों में बदलावों को भी स्वीकृति दी है। अब ठेका श्रम अधिनियम 1970 के तहत अलग-अलग श्रेणी के कारखानों में 20 श्रमिक रखे जाने की सीमा को बढ़ाकर 50 कर किया जाएगा। कारखाना अधिनिमय 1948 में 10 श्रमिक, बिना शक्ति की सहायता से विनिर्माण प्रक्रिया के तहत चलाने वाले परिसरों में 20 श्रमिक रखे जाने के प्रावधान है, जिसे क्रमशः 20 व 40 तक बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के तहत लोक उपयोगी सेवाओं से जुड़े कारखानों में श्रमिक संगठन बिना पूर्व सूचना के हड़ताल नहीं कर सकेंगे।

इंदौर में पहला एग्रीटेक हब

इंदौर में पहला एग्रीटेक हब बनेगा। यह इनोवेशन हब फॉर एग्रीकल्चर परियोजना के तहत स्थापित किया जाएगा। इसमें मप्र राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम सहभागीदार होगा। इसकी स्थापना आइआइटी इंदौर द्वारा इंदौर के ही आईटी पार्क के अंदर किया जाएगा। जिस पर कुल 1498 लाख खर्च आएगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष इसके लिए 2 करोड़ रुपए स्वीकृत किए।

वेलनैस समिट कल, 3 जनजातीय सम्मेलन भी

उज्जैन में सरकार गुरुवार को वेलनैस समिट करने जा रही है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक में मंत्रियों को इसकी जानकारी दी। यह भी बताया कि जून में ही जनजाति आधारित सम्मेलन करेंगे। 7 जून को डिंडौरी के बजाग में बैगा सम्मेलन, शहडोल के ब्यौहारी में 9 जून को भगवान बिरसा मुंडा की जन्मजयंती पर कोल सम्मेलन व 18 जून को शिवपुरी के कोलारस में सहारिया सम्मेलन करेंगे।

राजस्व की नई व्यवस्था

- मौजूदा अधीक्षक भू-अभिलेख व सहायक भू-अभिलेख अधिकारियों को तहसीलदार व नायब तहसीलदारों को दिए गए मैदानी अधिकार मिलेंगे। दोनों ही पदों को नए सिरे से पुनर्गठित किया जाएगा।
- वर्तमान में तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों से प्रोटोकाल, कानून व्यवस्था, सर्वे समेत अन्य गैर न्यायिक काम कराए जाते थे, उन कामों के लिए अलग से अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी।
- प्रत्येक जिलों में जिला भू-अभिलेख कार्यालय हैं, जिन्हें कलेक्टर कार्यालय में मर्ज किया जाएगा।
- क्षेत्रीय उपायुक्त भू-अभिलेख कार्यालयों को संभागीय कार्यालयों के साथ एकीकरण किया जाएगा।
- आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालय के तहत स्वीकृत लिपिकीय संवर्ग के द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के राज्य स्तरीय पदों को सांख्येत्तर घोषित करते हुए संपूर्ण संवर्ग के रिक्त होने के बाद मुख्यालय एवं प्रशिक्षण संस्थान के लिए नवीन सेटअप बनाया जाएगा।
- आइटी कैडर के सभी पदों को नवीन कार्यालय आयुक्त भू संसाधन प्रबंधन के अधीन सृजित करते हुए इनकी नियुक्ति नियंत्रण एवं नए कार्यालय के नियमों के अधीन होगी।

ई-ऑफिस की रैंकिंग आई सामने

बैतूल, हरदा व नर्मदापुरम में सबसे तेज दौड़ रही ई-फाइलें, अलीराजपुर सबसे पीछे

भोपाल। प्रदेश के बैतूल, हरदा व नर्मदापुरम जिले में ई-फाइलें सबसे ज्यादा दौड़ रही है, जबकि अलीराजपुर में ऐसी फाइलों का मूवमेंट एक डिजिट तक सिमटा हुआ है। बीते 7 महीने तक ई-ऑफिस पर किए कामकाज के बाद ये बातें सामने आई है। अलीराजपुर के अलावा ई-ऑफिस में सर्वाधिक पिछड़े जिलों में झाबुआ, मैहर, खंडवा, टीकमगढ़, पांढुर्णा, सीधी, पन्ना, दमोह, मंडला, मऊगंज, जबलपुर, बड़वानी व छतरपुर का भी नाम शामिल है। उधर उल्लेखनीय है कि ई-ऑफिस जनता के अटके कामों में तेजी लाने, लेट-लतीफी दूर करने, कार्यालयों का खर्च कम करने के लिए लागू किया है। हाल में ई-ऑफिस रैंकिंग जारी हुई है, जिसमें नवंबर 2024 से मई 2025 के जिलों व संभागों में ई-ऑफिस पर किए गए कामकाज का ब्यौरा शामिल है। जिलों की रैंकिंग में अलीराजपुर व संभागों में जबलपुर सबसे फिसड्डी रहे हैं। अलीराजपुर ने बीते इन 7 महीने में 10 और जबलपुर संभाग ने 7 ई-फाइलें ही चलाई है। जबकि अच्छा काम करने वाले जिलों में सबसे ऊपर बैतूल, हरदा व नर्मदापुरम हैं, इन जिलों में क्रमशः 11573, 8893 व 8863 ई फाइलें चली हैं।

टॉप-10 जिले, जिन्होंने ई-ऑफिस पर अच्छा काम किया

बैतूल जिले में 3437 ई फाइल, 5 पी फाइलें, 11573 ई फाइलें चलाई, 2 पी फाइलें, हरदा जिले में ई फाइल 1755, 2 पी फाइलें, ई फाइलें 8893, पी फाइलें, वहीं नर्मदापुरम में ई फाइल 2393, 3 पी फाइल, 8863 ई फाइल, 4 पी ई फाइल, शिवपुरी जिले में 1504 ई फाइल, 8 पी फाइल, 8332 ई फाइल, 2 पी फाइल, वहीं अनूपपुर में 1908 ई फाइल, 10 पी फाइल, ई फाइल 7967, पी फाइल, बालाघाट में 1742 ई फाइल, 9 पी फाइल, ई फाइल 6679, पी फाइल 0, छिंदवाड़ा में 1414 ई फाइल, 11 पी ई फाइल, 5217 ई फाइल, पी फाइल 0, विदिशा में ई फाइल 890, पी फाइल 0, ई फाइल 4290, पी फाइल 0, ग्वालियर जिले में 1106 ई फाइल, पी फाइल 9, ई फाइल 3996, पी फाइल 2

ई-ऑफिस के लाभ

- ई-ऑफिस के जरिए चलाई फाइलों के मूवमेंट में समय नहीं लगता, धन की बर्बाद और मैनपावर की बचत होती है। उदाहरण के लिए कोई फाइल सिंगरौली जिला कार्यालय से बनी तो उसे मैनुअली भोपाल पहुंचने में कम से कम एक सप्ताह का समय लग सकता है, लेकिन ई-ऑफिस के जरिए चली फाइल कुछ ही सेंकंड में पहुंच जाती है। संबंधित को कम से कम समय में लाभ मिल सकता है।

संपादकीय

जिम्मेदारी का भाव

हाल में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य स्तर पर हुआ टकराव थमने के बाद दुनियाभर ने राहत की सांस ली है। हालांकि भारत ने अपने तेवर और सतर्कता कम होने नहीं दी है। लेकिन हालिया टकराव किसी भी वक्त ऐसे मोड़ पर नहीं पहुंचा, जब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की नौबत आई हो। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने हाल में जो कुछ कहा है उससे इन आशंकाओं को दूर करने के साथ ही एटमी ताकत के रूप में नई दिल्ली की परिपक्वता और जिम्मेदारी का भाव भी दिखता है। सीडीएस ने कहा कि दोनों देशों की सेनाओं ने तार्किक रुख अपनाया यानी उन्होंने पाकिस्तान को भी उसके हिस्से का श्रेय दिया, जो उनका बड़प्पन ही कहा जा सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी तनाव बढ़ता है, तो पश्चिम की तरफ से सबसे पहली चिंता यही जताई जाती है कि अगर टकराव हुआ तो वह परमाणु युद्ध तक पहुंच सकता है।

कारगिल से लेकर बालाकोट तक, अतीत में कई बार ऐसा हो चुका है। यहां तक कि कारगिल को लेकर कहानियां तक फैल चुकी हैं कि परमाणु युद्ध आसन्न था, पर अमेरिकी दखल से टल गया। इस बार भी अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप एटमी वॉर रुकवाने के लिए खुद से अपनी पीठ थपथपा रहे हैं और कई बार थपथपा रहे हैं। मगर विडंबना है कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का इकलौता कलंक अमेरिका के ही माथे है। पश्चिम का यह अंदेशा दरअसल भारत की क्षमताओं को कम करके आंकना है। परमाणु हथियार किसी भी युद्ध का अंतिम विकल्प हैं और उस सीमा पर पहुंचने से पहले कई सारे पड़ाव आते हैं। भारत ने वैसे भी %नो फर्स्ट यूज% की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं। सीडीएस चौहान ने यह भी कहा कि सेना के लोग सबसे ज्यादा तर्कसंगत होते हैं, क्योंकि उन्हें परिणाम का पता है। इसका प्रत्यक्ष अनुभव ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुआ था। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पूरा देश गुस्से से उबल रहा था, लेकिन तब भी भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई में संयम बरता और केवल पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया। पाकिस्तान की तरफ से उकसावे वाली कार्रवाइयों के बावजूद भारत के हम सटीक और नियंत्रित रहे। उल्लेखनीय है कि् परमाणु हमले की विभीषिका दुनिया देख चुकी है तब एक ही झटके में लाखों जिंदगियां तबाह हो गई थीं और आने वाली कई नस्लें दशकों तक वह दंश झेलती रहीं। हिरोशिमा और नागासाकी के साथ जो हुआ था, वह मानव समुदाय के लिए सबक है कि कोई भी युद्ध उस बिंदु तक किसी भी सूरत में नहीं पहुंचना चाहिए, जहां ऐसी नौबत आए, इसीलिये यह हर देश की जिम्मेदारी है कि वह ऐसी किसी बात या धमकी से ही बाज आए। ताकत सिर्फ सुरक्षा के लिये होती है किसी को दशकों तक का दंश देने के लिए नहीं,अमेरिका को यह बात समझना चाहिये कि दुनियाभर का दरोगा बनने की कोशिशें न करे। वैसे भी जनरल चौहान ने हाल में इस टकराव से जुडी कई ऐसी बातें कहीं हैं जो बहुत महत्वपूर्ण है।

भाषा की मर्यादा को लेकर स्वयं की लक्ष्मण रेखा खींचें नेता और न्यूज चैनल

■ विनोद पाठक

यदि किसी न्यूज चैनल पर डिबेट में भाषा की मर्यादा का उल्लंघन होता है तो दर्शक न्यूज ब्रॉडकास्टिंग एंड डिजिटल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी में शिकायत कर सकते हैं, जो एक स्वतंत्र नियामक निकाय है। शिकायत पर यह निकाय चैनलों को चेतावनी, माफीनामा, यहां तक की कार्यक्रम हटाने का आदेश भी दे सकता है।

भारत में यदि किसी चीज का स्तर सबसे अधिक गिर गया है तो वह न्यूज चैनल्स पर डिबेट्स की भाषा है। इन डिबेट्स में मर्यादित, शालीन और संतुलित भाषा का इस्तेमाल तो दूर, बल्कि इन दिनों गाली-गलौज भी शुरू हो चुकी है। आखिरकार न्यूज चैनल्स की डिबेट्स में नेता, विशेषज्ञ और एंकर समाज को क्या संदेश दे रहे हैं? डिबेट्स के गिरते असर को देखकर बड़ी संख्या में दर्शक इनसे दूर होते जा रहे हैं। फिर भी न तो राजनीतिक पार्टियां अपने नेताओं को रोक रही हैं और न ही नेता खुद की भाषा पर काबू रख रहे हैं। क्या यह समय की मांग नहीं है कि न्यूज चैनल्स पर डिबेट्स के नाम पर चल रहे तमाशे पर नियमों की सख्ती की जाए। आज से ढाई दशक पहले भारत में टेलीविजन न्यूज चैनल्स की संख्या तेजी से बढ़ना शुरू हुई। उससे पहले दूरदर्शन ही एकमात्र टेलीविजन चैनल हुआ करता था, जिस पर चंद मिनटों के समाचार दिनभर में आया करते थे। डिबेट्स का स्वरूप एंकर और विशेषज्ञ के बीच संवाद तक सीमित था।प्राइवेट न्यूज चैनल्स की शुरुआत के समय परिस्थितियां थोड़ा ठीक रहीं, लेकिन जैसे-जैसे नेताओं को न्यूज चैनल का बूम और टेलीविजन पर अपना चेहरा देखकर मजा आने लगा, स्थितियों तेजी से बदलने लगीं। न्यूज चैनल्स ने भी अपने शो में की पक्ष-विपक्ष के नेताओं को बैठकर एक-दूसरे से बहस कराना शुरू कर दिया। शुरुआत में इन डिबेट्स को देखकर आम दर्शकों को भी रस आने लगा। कुछ समय तक तो यह रस दर्शकों को मीठा-मीठा लगा, लेकिन अब यह कड़वा हो चला है। वैसे तो न्यूज चैनल्स की डिबेट्स में किसी गंभीर विषय पर चर्चा होनी चाहिए। ऐसी डिबेट्स में न्यूज एंकर को मध्यस्थ से लेकर निर्णायक तक की भूमिका का निर्वहन करना चाहिए, लेकिन अमूमन यह देखा जा रहा है कि न्यूज चैनल पर डिबेट शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक जैसे गंभीर विषयों के बजाय राजनीतिक और धार्मिक विषयों पर अधिक होने लगी हैं युद्ध और पाकिस्तान न्यूज चैनल्स के लिए पसंदीदा विषय बन चुके हैं। इन डिबेट्स का स्याह पक्ष यह है कि नेता या विशेषज्ञ न केवल व्यक्तिगत हो जाते हैं, बल्कि भाषा के संयम को भी भूल बैठते हैं। पिछले दिनों एक न्यूज चैनल पर ऐसी ही एक डिबेट में भाजपा और कांग्रेस के प्रवक्ताओं के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई। हालांकि, पहले भी कुछ डिबेट्स में मेहमानों के बीच हाथापाई तक की नौबत आ चुकी है। केवल भारत ही नहीं, दुनिया के अधिकांश देशों में न्यूज चैनल पर डिबेट्स होती है।

अधिकांश देशों में टेलीविजन डिबेट्स में काफी गर्मागर्मी देखने को मिलती है। चूंकि, हम भारत में स्वयं को संस्कारवान कहते हैं तो बाकी देशों की अपेक्षा हमारे न्यूज चैनल्स पर डिबेट्स में संस्कार झलकने चाहिए, लेकिन ऐसा दिख नहीं रहा है। न्यूज चैनल्स के लिए भारतीय प्रेस परिषद या ब्रॉडकास्टिंग अथॉरिटी ने कुछ नियम और दिशा-निर्देश भी तय किए हैं। जैसे, एंकरों को पेशेवर प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि वो संयमित-मर्यादित भाषा, निष्पक्ष व्यवहार और संयोजक की भूमिका को निभा सकें। धार्मिक या राजनीतिक विषयों से अधिक रोजगार, स्वास्थ्य, विज्ञान, पर्यावरण जैसे विषयों पर चर्चा की जाए। यदि किसी न्यूज चैनल पर डिबेट में भाषा की मर्यादा का उल्लंघन होता है तो दर्शक न्यूज ब्रॉडकास्टिंग एंड डिजिटल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी में शिकायत कर सकते हैं, जो एक स्वतंत्र नियामक निकाय है। शिकायत पर यह निकाय चैनलों को चेतावनी, माफीनामा, यहां तक की कार्यक्रम हटाने का आदेश भी दे सकता है, लेकिन न्यूज चैनल्स निकाय की कार्रवाई को संभवतः गंभीरता से नहीं लेते हैं। प्रसार भारती और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भी समय-समय पर टेलीविजन के कंटेंट को लेकर दिशा-निर्देश जारी करते हैं। हालांकि, इन दिशा-निर्देशों का सख्त और नियमित पालन नहीं हो रहा है, जो यह साफ नजर आता है। समय की मांग है कि न्यूज चैनल्स स्वयं की एक लक्ष्मण रेखा खींचें। किसी विषय पर चर्चा या विमर्श अच्छी बात है, लेकिन मर्यादाओं का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। नेताओं का अति, कई बार डिबेट का प्रायोजित लगना और एंकरों का एक पक्षी हो जाना बेहद गंभीर विषय हैं। केंद्र सरकार को भाषा को लेकर न केवल नियमों को और सख्त करने की आवश्यकता है, बल्कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर ऐसी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि बाकी के लिए वो एक उदाहरण बन सके।

– साभार यह लेखक के विचार हैं

आज का इतिहास

- 1039 हेनरी तृतीय रोम का सम्राट बने।
- 1674 अमेरिका के मैसाच्यूसेट्स शहर में घोड़ो की दौड़ पर प्रतिबंध लगाया गया।
- 1784 ल्योन, फ्रांस में एलिजाबेथ थिबल, गर्म हवा के गुब्बारे में सवारी करने वाली महिला बनी।
- 1792 रॉयल नेवी के कप्तान जॉर्ज वैंकूवर ने ग्रेट ब्रिटेन के लिए प्रशांत नॉर्थवेस्ट में पुगेट साउंड का दावा किया।
- 1805 त्रिपोली और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच पहला बारबरी युद्ध समाप्त हुआ।
- 1805 लंदन के हार्स गार्ड्स परेड में रंगमंच का पहला कार्यक्रम आयोजित किया किया।
- 1810 घोड़े के चोरो को पड्कने के लिए डेडम, मैसाचुसेट्स में एक सोसाइटी की स्थापना की गयी।
- 1845 मैक्सिको और अमेरिका के बीच लड़ाई शुरू हुई।
- 1850 इंग्लैंड में पेट्रोकेमिंग करने वाला स्व-डिओडोरिज़िंग उर्वरक तैयार किया गया।
- 1855 मेजर हेनरी सी। वेन ने यूएसएस सप्लाईटो में ऊंटों की खरीद के लिए अमेरिकी ऊंटों की स्थापना के लिए ऊंटों की खरीद की।
- 1913 यूनाइटेड किंगडम में महिलाओं के मताधिकार के लिए एक कार्यकर्ता एमिली डेविसन उस समय बुरी तरह से घायल हो गईं, जब उन्हें एप्सोम डर्बी में किंग जॉर्ज ड्डद्धश्हद्बद्ग द्वारा रौंद दिया गया था।
- 1920 हंगरी के साम्राज्य को पांच देशों में विभाजित किया गया था, जिसमें पेरिस में ट्रायोन की संधि को शामिल किया था
- 1920 हंगरी के राज्य ने अपने क्षेत्र में 72त्न और पेरिस में ट्रायोन की संधि पर हस्ताक्षर करने के साथ 64त्न अपना दूषण खो दिया।
- 1939 ओकलाहोम शहर में पहली बार खरीदारी करने वाली गाड़ी पेश की गई।
- 1940 द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी की सेना ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में प्रवेश किया।
- 1944 अमेरिकन आर्मी ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान रोम में प्रवेश किया।
- 1944 यूनाइटेड स्टेट्स नेवी टास्क ग्रुप ने जर्मन पनडुब्बी - 505 पर कब्जा कर लिया, जो आज शिकागो के म्यूजियम ऑफसाइंस एंड इंडस्ट्री में एक संग्रहालय जहाज के रूप में जीवित है।
- 1961 अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ। कैनेडी और सोवियत प्रीमियर निकिताश्रुश्चेव ने वियना में अपने देशों के बीच कई संबंधों की गहन चर्चा के लिए असफल मुलाकात की।
- 1964 मालदीव ने संविधान का निर्माण किया।
- 1970 टोंगा ने यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता हासिल की
- 1970 ब्रिटेन से अलग होकर टोंगा एक स्वतंत्र देश बना।
- 1975 गवर्नर जेरी ब्राउन ने कैलिफ़ोर्निया एग्रीकल्चरल लेबर सेलेक्शन एक्ट पर हस्ताक्षर किए, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में पहला कानून था, जो फार्मवर्क करने वालों के लिए सौदेबाजी के अधिकारों की गारंटी देता था।
- 1987 अमेरिकी खुफिया विश्लेषक जोनाथन पोलार्ड ने इजराइल के लिए जासूसी के आरोपों को खारिज कर दिया।
- 1989 पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने बीजिंग में तियानमेन चौक विरोध प्रदर्शनों पर हिंसक रूप से तोड़-फोड़ की।

'गलतियाँ ही इंसान को सीखने का मौका देती हैं।

निशाना

जोर है लगाया !

-कृष्णेन्द्र राय

उलटफेर करने को ।
जोर है लगाया ।।
है पूरा प्रयास ।
करें जो फरमाया ।।
हैं हम ही अब बेहतर ।
पुन~याद दिलाया ।।
कसी कमर है जनता ।
उनका तय सफाया ।।
चिंतन मनन जारी है ।
लेने को कमान ।।
ठान लिया है जनता ने ।
देना ही सम्मान ।।
देखते पर ये दावे ।
लेते कैसा रुप ?
जनता ने है तय किया ।
इनके कुछ अनुरुप ?

आक्रामकता के शिकार बच्चों की पीड़ा और दर्द को समझें

■ ललित गर्ग

बच्चों को देश एवं दुनिया के भविष्य की तरह देखा जाता है। लेकिन उनका यह बचपन रूपी भविष्य लगातार हो रहे युद्धों की विभीषिका, त्रासदी एवं खौफनाक स्थितियों के कारण गहन अंधेरों एवं परेशानियों से घिरा है। आज का बचपन हिंसा, शोषण, यौन विकृतियों, अभाव, उपेक्षा, नशे एवं अपराध की दुनिया में धंसता चला जा रहा है। बचपन इतना उपेक्षित, प्रताड़ित, डरावना एवं भयावह हो जायेगा, किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। आखिर क्यों बचपन बदहाल होता जा रहा है? बचपन इतना उपेक्षित क्यों हो रहा है? बचपन के प्रति न केवल अभिभावक, बल्कि समाज, सरकार एवं युद्धरत देशों की सत्ताएं इतनी बेपरवाह कैसे हो गयी है? ये प्रश्न 4 जून को आक्रमण के शिकार हुए मासूम बच्चों के दिवस को मनाते हुए हमें झकझोर रहे हैं। इस दिवस को मनाने की प्रासंगिकता आज के परिप्रेक्ष्य में ज्यादा महसूस हो रही है। इस दिवस का उद्देश्य आक्रामकता के शिकार बच्चों की पीढ़ा और उनके दर्द को स्वीकार करना, बाल अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दोहराना, समाज में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार और हिंसा के खिलाफ जागरूकता बढ़ाना, बच्चों के साथ हिंसा रोकने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से प्रयास करना, बच्चों के लिए सुरक्षित, हिंसामुक्त और अनुकूल वातावरण बनाना एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें हिंसा से सुरक्षित रखने के लिए जागरूकता फैलाना है। संयुक्त राष्ट्र ने इस दिवस की शुरुआत 1982 में की थी, जब फिलिस्तीनी और लेबनानी बच्चों पर हुए अत्याचारों के बाद यह दिवस घोषित किया गया था, जिसे मनाते हुए हमें दुनिया भर में बच्चों द्वारा झेले गए दर्द को स्वीकारना होगा, जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण के शिकार हैं। यह दिन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

बच्चे दुनिया की आबादी का एक चौथाई हिस्सा हैं और किसी भी समाज की भलाई के लिए बच्चों का सुरक्षित एवं संरक्षित होना जरूरी हैं। वे समाज के सबसे कम?ोर सदस्य हैं, जिन्हें निष्कंटक, खुशहाल और सफल जीवन जीने के लिए समान अवसर दिए जाने और उनकी रक्षा किए जाने की आवश्यकता है। लेकिन,

आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतरराष्ट्रीय दिवस आज

हर साल संघर्ष और युद्धों के कारण बच्चों की एक बड़ी संख्या हिंसा, विस्थापन, अपंगता और दुर्व्यवहार का शिकार होती है। यह केवल इस बात को साबित करता है कि बच्चों पर किसी भी संघर्ष का गंभीर एवं घातक प्रभाव पड़ता है। निश्चित ही रूस एवं यूक्रेन, गाजा एवं इजरायल जैसे लम्बे समय से चल रहे युद्धों के कारण हर दिन, दुनिया भर में बच्चे अकथनीय भयावहता एवं त्रासदियों का सामना कर रहे हैं। वे अपने घरों में सोने या बाहर खेलने, स्कूल में पढ़ने या अस्पतालों में चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में सुरक्षित नहीं हैं। हत्या और अपंगता, अपहरण और यौन हिंसा से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमले नयी बन रही विश्व संरचना के लिये गंभीर चुनौती है। बच्चे चौंका देने वाले पैमाने पर युद्धरत दलों के निशाने पर आ रहे हैं।

हाल के वर्षों में, कई संघर्ष एवं युद्ध क्षेत्रों में, महामारियों एवं प्राकृतिक आपदाओं के कारण बच्चों के खिलाफ उल्लंघन की संख्या में वृद्धि हुई है। संघर्ष, युद्ध, हिंसा एवं महामारियों से प्रभावित देशों और क्षेत्रों में रहने वाले 250 मिलियन बच्चों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। हिंसक अतिवादियों द्वारा बच्चों को निशाना बनाने से बचाने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कानून को ब?ावा देने के लिए और बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए और अधिक प्रयासों एवं संकल्पों की जरूरत है ताकि बच्चों के बेहतर भविष्य को सुरक्षित एवं सुनिश्चित किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के नए एजेंडे में पहली बार बच्चों के खिलाफ हिंसा के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए एक विशिष्ट लक्ष्य शामिल था और बच्चों के दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण को समाप्त करने के लिए कई अन्य हिंसा-संबंधी लक्ष्यों को मुख्यधारा में शामिल किया गया। विश्वस्तर पर बालकों के उन्नत जीवन के ऐसे आयोजनों के बावजूद आज भी बचपन उपेक्षित, प्रताड़ित एवं नारकीय बना हुआ है, आज बच्चों की इन बदहाल स्थिति की प्रमुख वजहें हैं, वे हैं-सरकारी योजनाओं का कागज तक ही सीमित रहना, बुद्धिजीवी वर्ग व जनप्रतिनिधियों की उदासीनता, दुनिया की महाशक्तियों की ओर से बच्चों के ज्वलंत प्रश्नों पर आंख मूंद लेना, इनके प्रति समाज का संवेदनहीन होना एवं गरीबी-शिक्षा के लिये जागरुकता का अभाव है।

युद्धों एवं ऐसी ही स्थितियों में 11,649 बच्चे मारे गए या अपंग हो गए। अधिकांश मामलों में, विस्फोटक आयुध और बारूदी सुरंगों का उपयोग आबादी वाले क्षेत्रों में किया गया, जिसके कारण बच्चों की मृत्यु हुई और वे अपंग हो गए। 8,655 बच्चों का इस्तेमाल संघर्ष में किया गया और 4356 का अपहरण किया गया, जिनमें से सबसे ज्यादा संख्या कांगो, सोमालिया और नाइजीरिया के लोकतांत्रिक गणराज्य में पायी गयी। पीड़ितों में से लगभग 30 प्रतिशत ल?कियां थीं। 1,470 बच्चे यौन हिंसा के शिकार हुए है। संघर्ष में यौन हिंसा कलंक और कानूनी सुरक्षा की कमी के कारण ल?कियों और ल?कों दोनों के लिए सबसे कम रिपोर्ट की जाने वाली गंभीर हिंसा है। 90 प्रतिशत से अधिक यौन हिंसा ल?कियों के खिलाफ की गई, जो यौन हिंसा और जबरन विवाह से असमान रूप से प्रभावित हैं, हालांकि लड़कों के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। 2022 से 2023 तक मानवीय सहायता से वंचित करने की घटनाओं में 32 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो अक्सर अन्य गंभीर उल्लंघनों में वृद्धि के साथ मेल खाती है। 2024 के लिए, मानवीय सहायता से वंचित करने की घटनाओं में कई संदर्भों में गिरावट आने की उम्मीद है, विशेष रूप से अ?गानिस्तान, म्यांमार और सूडान में मानवीय संगठनों और कर्मियों पर नियंत्रण बढ़ाने वाले प्रतिबंधात्मक नियमों को अपनाने के कारण। 2023 तक, स्कूलों पर हमलों में लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कोफी अन्नान ने एक बार कहा था, 'दुनिया में बच्चों के साथ जो भरोसा है, उससे ज्यादा पवित्र कोई भरोसा नहीं है। यह सुनिश्चित करने से ज्यादा महत्वपूर्ण कोई कर्तव्य नहीं है कि उनके अधिकारों का सम्मान किया जाए, उनके कल्याण की रक्षा की जाए, उनका जीवन भय और अभाव से मुक्त हो और वे शांति से बढ़े हो सकें।'

बच्चों के खिलाफ गंभीर उल्लंघनों को समाप्त करना और रोकना बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर जनादेश का मुख्य हिस्सा है। बच्चों को शत्रुता से बचाने का सबसे प्रभावी तरीका उन दबाव और खींचतान वाले कारकों को खत्म करना है जो उन्हें सशस्त्र संघर्ष में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चे बहुत अच्छे लगते हैं जब वे हँसते-मुस्कुराते हैं। बच्चे यदि तनावरहित रहते हैं तो चारों तरफ खुशी का माहौल बन जाता है। क्या आपने कभी सोचा है कि बच्चे भी पीढ़ा महसूस करते हैं। यह पी?ा शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक किसी भी तरह के शोषण से पैदा होती है। बच्चे खुश, स्वस्थ और सुरक्षित होने चाहिए। उन्हें जाने-अनजाने में भी कोई पीढ़ा नहीं दी जानी चाहिए। बच्चों की खुशी में देश एवं दुनिया का उज्ज्वल भविष्य छुपा है। कुछ बीमार मानसिकता यानी पीडोफिलिया ग्रस्त व्यक्ति मासूम बच्चों को क्रूरतम मानसिक व शारीरिक यातनाएं देने में आनंद की प्राप्ति करता है तथा उसके लिए यह एक ऐसा नशा बन जाता है कि वह बच्चों को यातनाएं देने कि क्रूरतम विधियां इजाद करता जाता है जिसमें बच्चो के साथ सेक्स, शरीर को चोटिल करना-काटना, जलाना, यहाँ तक कि उनके टुकडे-टुकडे कर उनके मांस तक खाना शामिल है। कुछ देशों में बच्चों को ऊंट की पीथ पर बान्धकर ऊटों को दौड़ाया जाता है जिससे बच्चे कि चीत्कार-चीख से वहां के लोग आनन्द एवं मनोरंजन की प्राप्ति करते हैं, यह भी पीडोफिलिया का ही एक उदाहरण है। इन क्रूर एवं अमानवीय स्थितियों का मासूम बच्चों पर भारी दुष्प्रभाव पड़ता है और इन कमजोर नींवों पर हम कैसे एक सशक्त दुनिया की कल्पना कर सकते हैं?

– यह लेखक के विचार है

संत शिरोमणि आचार्यों के सानिध्य में ध्वजारोहण के साथ शिक्षण शिविर का शुभारंभ

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री समयसागर जी महाराज, तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक मुनिपुंगव सुधा सागर जी महाराज के आशीर्वाद श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन विद्वत्श्री अभिषेक जैन शास्त्री परसौरिया के निर्देशन में दिनांक 2 जून से 10 जून होने जा रहा है जिसमें शिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ जिसमें ध्वजारोहण का सौभाग्य राजमती, हेमंत जैन परिवार द्वारा सम्पन्न हुआ, विद्यासागर कलश स्थापित करने का सौभाग्य सवाई सिंघई, निर्मल,अनिल, देवेन्द्र गौरव समस्त परिवार, प्रथम कलश श्रीमान महेंद्र, श्रीमति चांदनी-रत्नेश, डीएसपी परिवार भोपाल द्वितीय कलश व्रती शांतिदेवी- एन

एल जैन त्रिमूर्ति मंदिर, तृतीय कलश नरेंद्र कुमार,ऋषभ कुमार शांतिनाथ जिनालय, चतुर्थ कलश श्री राकेश कुमार कंट्रोल पार्श्वपुरम धूसलपुरा परिवार वालों ने प्राप्त किए, चतुर अनुयोग की स्थापना आराधना दीदी, आदर्श भैया, प्रियंका गौरव जैन अतिभा जैन परिवार ने प्राप्त किया साथ ही 21 परिवारों द्वारा 21 शास्त्री विराजमान किए गये, श्री महावीर विहार में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें सतीश जैन ने बताया कि कार्यक्रम में श्रीमान अशोक जैन ठेकेदार, प्रमोद जैन सीएम, महेश जैन एचएच, शैलेन्द्र जैन बड़कुल, संजीव जैन त्रिमूर्ति, सिरिल जैन, अशोक जैन सर, गौरव जैन, अंकेश बड़कुल, नीरज बड़कुल, जयकुमार जैन दीक्षा, राकेश जैन दलाल, रुपेश जैन रुप्पी,प्रदीप जैन जीप, अजित जैन , प्रवीण जैन,विपिन जैन, श्रीमति कीर्ति जैन, दीपा जैन, प्रतिभा जैन, सुलेखा जैन, ममता भंडारी, सुमन जैन,प्रीति जैन, रीता जैन, अल्पना जैन, शीलू जैन, पुष्पलता जैन , सरिता जैन एवं पाठशाला परिवार उपस्थित रहे। सांगानेर से आये विद्वानों द्वारा श्री पार्श्वनाथ मंदिर महावीर विहार, त्रिमूर्ति मंदिर बरेठ रोड, पार्श्वनाथ मंदिर पार्श्वपुरम धूसलपुरा, शांतिनाथ जिनालय त्योंदा में शिविर का आयोजन होने जा रहा है। प्रतिदिन शिविर में प्रातः काल अभिषेक, शांतिधारा, छहढाला, इष्टोपदेश,भक्तामर, कर्मसिद्धांत, जैन भूगोल की कक्षाएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा।

सीएम ने पचमढ़ी में 33 करोड़ के पर्यटन विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया

जननायकों के कार्यों और स्वर्णिम पक्षों को समाज के समक्ष किया जा रहा जीवंत

जंगल सफारी सुविधा के लिए 11 नए ट्रेक्स क्रूजर वाहन को हरि झंडी

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश विरासत भी और विकास भी की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश को गौरवान्वित करने वाले जननायक के अंचलों में कैबिनेट बैठकें और प्रमुख कार्यक्रम आयोजित कर विकास के संकल्प को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। गोंडवाना की रानी दुर्गावती, मालवा में महाराजा विक्रमादित्य, निमाड़ की रानी लोकमाता अहिल्याबाई और अब जननायक राजा भभूत सिंह जी के द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों और स्वर्णिम पक्षों को समाज के समक्ष जीवंत किया जा रहा हैं।

मुख्यमंत्री पचमढ़ी में होटल अमलतास में आयोजित पर्यटन विकास निगम के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पचमढ़ी में 33 करोड़ से अधिक के पर्यटन विकास के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि पचमढ़ी उद्यान अब राजा भभूत सिंह उद्यान के नाम से जाना जाएगा। इसी प्रकार शासकीय महाविद्यालय का नाम भी राजा भभूत सिंह महाविद्यालय होगा। उन्होंने पचमढ़ी में जनजातीय संग्रहालय बनाने और कोरकू समाज के पवित्र स्थल पर प्रतीक्षालय और टीनशेड बनाने की घोषणा की। यादव ने कहा कि नर्मदापुरम में लॉजिस्टिक पार्क बनाने का निर्णय लिया गया हैं।पचमढ़ी अपने अप्रतिम नैसर्गिक सौंदर्य के लिए पूरे देश में जाना जाता है। यह अंचल अपने

प्राकृतिक सौंदर्य के साथ कई ऐतिहासिक तथ्यों को भी अपने में समाहित किए हुए हैं। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पचमढ़ी के विकास में आ रही बाधाओं को दूर कर इसे सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। पचमढ़ी के विकास के द्वारा खोले हैं।राजा भभूत सिंह व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने बिना भयभीत हुए पूरे पराक्रम से अंग्रेजों के साथ संघर्ष किया और देशभक्ति की उत्कृष्ट मिसाल पेश की ।

म.प्र. पर्यटन विभाग ने वाइल्ड लाइफ प्रेमियों और पर्यटकों को एक नई सौगात दी है। विभाग ने जंगल सफारी के लिए नए आरामदायक ट्रेक्स क्रूज़र वाहन उपलब्ध कराए हैं।

पर्यटकों के भ्रमण को और अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से प्रथम चरण में कुल 11 ट्रेक्स क्रूज़र वाहन क्रय किए गए हैं। ये ट्रेक्स क्रूज़र वाहन डीजल चालित हैं और इनमें 9+1 सीटों की व्यवस्था है, जो कि परंपरागत जिप्सी वाहनों की तुलना में तीन सीट अधिक है। साथ ही, इनकी लंबाई भी अधिक है, जिससे सफर के दौरान पर्यटकों को ज्यादा जगह और आराम मिलता है यादव ने 12.49 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण किए गए पर्यटन विभाग के 5 कार्यों का लोकार्पण किया। जिनमें जटाशंकर एवं पांडव केव्स पर 19 लाख रुपये की लागत से निर्मित पिंक टॉयलेट लाउंज, जयस्तंभ क्षेत्र में 10 करोड़ रुपये की लागत से मार्गों के दोनों ओर विकसित पाथवे, धूपगढ़ में 60 लाख रुपये की लागत से जलगली से जलप्रदाय पाइपलाइन और पंप हाउस, पचमढ़ी प्रवेश द्वार का 35 लाख रुपये का सौंदर्यीकरण, तथा सतपुड़ा रिट्रीट में 1.35 करोड़ रुपये की लागत से किए गए किचन, रेस्टोरेंट नवीनीकरण और स्विमिंग पूल निर्माण शामिल हैं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 21.39 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इन कार्यों में हांडीखो में 1.98 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा के विकास, सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में 2.13 करोड़ रुपये की लागत से बुनियादी सुविधाओं का विकास, पॉलिथिन मुक्त पचमढ़ी के लिए 34 लाख रुपये की लागत से आरओ जल प्रदाय प्लांट की स्थापना, हिलटॉप बंगले को 6.70 करोड़ रुपये की लागत से होम स्टे में बदलने का कार्य, योजना के अंतर्गत 9.90 करोड़ रुपये की लागत से कम्युनिटी सेंटर का विकास, तथा ग्लेन व्यू में 34 लाख रुपये की लागत से केंद्रीय नर्सरी की स्थापना शामिल हैं।

राजा भभूत सिंह को किया नमन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को पचमढ़ी में अमलतास होटल पहुंचकर यहां स्थित कोरकू/ मवासी समाज के पवित्र श्रद्धा स्थल पर नमन किया। इस दौरान कोरकू जनजातीय समाज के सदस्यों ने पारंपरिक गाथा नृत्य प्रस्तुत कर और समाज की परंपरागत रीति से मुख्यमंत्री डॉ यादव का भव्य स्वागत किया इस अवसर पर 26 सदस्यीय दल ने ढोलक, टिमकी और झांझ जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ जनजातीय गाथा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने भी झांझ मजीरा बजाकर जनजाति कलाकारों का उत्साह बढ़ाया और प्रोत्साहन स्वरूप 5-5 हजार की राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने मुख्यमंत्री डॉ यादव को श्रद्धा स्थल की मान्यताओं और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भभूत सिंह जी के वंशज मनीष भोपाजी से भी आत्मीय चर्चा की। समाज के श्रीमत गुड्डी शीलू और विजय शीलू ने बताया कि श्रद्धा स्थल पर स्थित पत्थर की संरचना को कोरकू मवासी समाज में अत्यंत पवित्र माना जाता है। यह संरचना राजा भभूत सिंह जी द्वारा स्थापित की गई थी, जो कि समाज के पूर्वजों का प्रतीक मानी जाती है। मान्यता के अनुसार यह संरचना सप्त धातु से निर्मित है। राजा भभूत सिंह जी प्रकृति प्रेमी थे और उन्होंने पचमढ़ी में इस गाथा स्थल की स्थापना की थी। इसी कारण यह स्थल कोरकू मवासी समाज में सम्मान का केंद्र बना हुआ है।

सीएम ने बॉम्बे ग्रीन और मणि प्रभा किस्म का स्वाद चख कर 'आम महोत्सव' का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को पचमढ़ी के राज भवन परिसर में आयोजित 卐आम महोत्सव卐 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मणि प्रभा एवं बॉम्बे ग्रीन किस्म के आम चखकर महोत्सव का शुभारंभ किया। आम का रसास्वादन कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आम की मिठास और स्वाद की सराहना की। उन्होंने प्रदर्शनी में लाए गए देशी आम भी चखे। प्रदर्शनी में जम्बो केसर, सुंदरजा, कृष्ण भोग, लंगड़ा आम, गजरिया, मालदा आदि किस्मो की सराहना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला एवं जगदीश देवड़ा के साथ-साथ लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह और मंत्री श्री विश्वास सारंग, प्रहलाद पटेल आदि ने भी आम का स्वाद चखा और आम की विभिन्न किस्मो की सराहना की। इस अवसर पर नरसिंहपुर के किसान विजय पाल सिंह ने आम की विभिन्न किस्मो की टोकरी मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेंट की। आम उत्पादक किसान श्री सुभाष पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ यादव को यथार्थ गीता पुस्तिका इस अवसर पर भेंट की।

जनसुनवाई में पहुंचा लकड़ी के अवैध परिवहन का मामला

नायब तहसीलदार ने दिए समय सीमा में निराकरण के निर्देश

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा के तहसील कार्यालय भवन में मंगलवार सुबह 11 बजे जन सुनवाई का आयोजन किया गया। आयोजित जनसुनवाई में सिवनी मालवा के कांग्रेस नेता दीदार सिंह सालुजा ने लिखित शिकायत की जिसमे उन्होंने बताया की विगत दिवस सिवनी मालवा में लकड़ी का अवैध परिवहन करते हुए एक आरोपी को पकडाया था। जिसके वन विभाग के अधिकारीयों से घनिष्ठ सम्बन्ध है जिसके चलते उसकी जांच प्रभावित हो सकती है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की जांच के लिए पृथक से जांच दल बना जांच करवाई की जाए। तथा पूरी जांच से सम्बन्धित एसडीओ तथा उक्त बीट के वनकर्मियों को अलग रखा जाए।

वही लिखित आवेदन में उन्होंने ये भी बताया की ग्राम लोखरतालाई की वन चौकी में रोहित का आना जाना लगा रहता है तथा आये दिन पार्टियाँ होती है इसलिए हमारी मांग है की पूरे मामले में वनकर्मियों की काल डिटेल भी निकाली जाए जिससे की इसकी जानकारी मिल सके की किन किन कर्मचारियों की मिलीभगत से आरोपी रोहित यदुवंशी के द्वारा अवैध रूप से लकड़ियों का परिवहन किया जा रहा था।

उन्होंने आरोप लगाया कि 29 मई को एक ट्रैक्टर ट्रॉली चोरी की सागौन के लट्ठे से भरी हुई मोरघाट की तरफ से लोखरतलाई की ओर आ रही थी जिसमें ग्राम सिरूपूरा के स्पीड ब्रेकर के पास अनंत्रित होकर पलट गई जिसमें सुनील नामक आदिवासी की मौत हो गई थी।रोहित ने अवैध लकड़ियों को पेट्रोल डालकर आग लगा दी जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जली हुई सागौन की लकड़ियों को ग्राम के लोगों ने पानी डालकर बुझाया उसके बाद रोहित ट्रैक्टर लेकर वहां से फरार हो गया था।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कुल 7 आवेदन प्राप्त हुए जिनमे राजस्व विभाग के 2, विद्युत् विभाग के 1, जनपद विभाग का 1, वन विभाग के 2, तथा एक आवेदन आबकारी विभाग का है। नायब तहसीलदार कीर्ति प्रधान ने सभी आवेदनों का संबंधित विभाग के अधिकारियों को जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए गए है।

अमृत 2.0 योजना के तहत लगेंगे दो हजार पौधे

इटारसी। अमृत 2.0 योजना के तहत 'एक पेड मां के नाम' अभियान में महिला स्वसहायता समूह की महिलाएं पौधे लगाकर आय अर्जित कर सकेंगी। नपाध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि इस योजना में स्वसहायता समूहों को पौधे लगाने का काम देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। इसके अलावा, यह योजना पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने बताया कि स्वसहायता समूह से जुडी महिलाओं को दो साल तक पौधों की देखरेख करना है और उन्हें स्वस्थ रखना है इसके बाद ही उन्हें पैसे मिलेंगे। एक पेड़ को लगाकर उनकी देखरेख करने पर दो साल बाद 1500 रुपये दिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। नपाध्यक्ष श्री चौरे के मुताबिक योजना के तहत शहर में दो हजार पेड़ लगाने की प्लानिंग है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि महिलाओं को आजीविका के नए अवसर प्रदान किए जाएं साथ ही पर्यावरण भी अच्छा हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पचमढ़ी आगमन पर हुआ आत्मीय स्वागत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मंगलवार को पचमढ़ी में राजा भभूत सिंह की स्मृति में आयोजित कैबिनेट बैठक में शामिल होने मध्य प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ यादव के पचमढ़ी आगमन पर मंत्रीगण, विधायक गण, जनप्रतिनिधियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

हेलीपैड पर सीएम के स्वागत के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक सोहागपुर विजयपाल सिंह, विधायक पिपरिया ठाकुरदास नागवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधाबाई पटेल, नपा पिपरिया अध्यक्ष श्रीमती नीना नागपाल सहित, श्रीमती प्रीति शुक्ला, नवनीत नागपाल, माधव दास अग्रवाल, संतोष जैन सहित अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस अवसर पर नर्मदापुरम संभाग के कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला, सीसीएफ अशोक कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक प्रशांत खरे, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह, फील्ड डायरेक्टर श्रीमती राखी नंदा, डीएफओ मयंक गुर्जर, सहित अन्य अधिकारी गण भी मौजूद थे।

खेल मैदानों के अभाव में चमक खो रही ग्रामीण प्रतिभाएं खेतों व जंगलों में अभ्यास करने मजबूर खिलाड़ी

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए शासन प्रशासन जो भी दावे करें, लेकिन जमीनी हकीकत यही है कि गांवों में खेल के मैदान नहीं है और जहां खेल मैदान है वहां पर पर्याप्त व्यवस्थाएं ही नहीं है। जिसके कारण ग्रामों में खुले एवं ऊबड़ खाबड़ मैदानों को ही खेल ग्राउंड बनाकर प्रतिभाएं अपने खेल में निखार ला रही है। ऐसे में खेलों में ग्रामीण प्रतिभाओं का सामने निकलकर आना असंभव होकर रह गया है ग्रामीण बच्चे व युवाओं को विभिन्न खेलों का अभ्यास करने के लिए उचित मैदान की सुविधा दिलाने की मंशा से सरकार की योजना के तहत तेंदूखेड़ा ब्लॉक की तकरीबन सभी ग्राम पंचायतों के लिए खेल मैदान निर्माण स्वीकृत किए गए थे, पर इन मैदानों को बनाने में गड़बड़ी की गई है।

कहीं खानापूर्ति कर राशि निकाली गई है तो कहीं कागजों में निर्माण दर्शाकर राशि आहरण कर ली गई है। संबंधित उपयंत्री ने भी मिलीभगत कर मूल्यांकन कर दिया। नतीजा सरकार के लाखों रुपए खर्च होने के बाद भी ग्रामीण बच्चे व युवा खेत खलिहान, जंगल मैदान में

तेंदूखेड़ा ब्लॉक के स्कूलों व ग्राम पंचायतों में नहीं है खेल मैदान और जो बने वह गड़बड़ी की भेंट चढ़े

विभिन्न खेलों का अभ्यास करने मजबूर हैं। जानकारी अनुसार तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में वर्ष 2016-17 में ये खेल मैदान स्वीकृत हुए थे एक मैदान को बनाने की लागत लाखों रुपए थी। उक्त राशि में धांधली करने की मंशा से पंचायतों ने अधिकारियों से मिलीभगत कर निर्माण कार्य में गड़बड़ी कर दी मामले में गौर करने वाली बात ये है कि उक्त संबंध में कई बार शासन-प्रशासन में बैठे वरिष्ठ अधिकारियों और नेताओं के पास शिकायतें पहुंची, पर जांच और कार्रवाई किसी पर नहीं की गई है। ब्लॉक की सभी 62 ग्राम पंचायतों में बने खेल मैदान का एक सा हाल है।

क्रिकेट सहित कई टूर्नामेंट होते हैं आयोजित

खिलाड़ी युवाओं का कहना है कि ब्लॉक सहित जिलेभर में क्रिकेट, कबड्डी फुटबॉल सहित अन्य खेलों के टूर्नामेंट आयोजित होते रहते हैं इन टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों का अभ्यास करना पड़ता है, लेकिन व्यवस्थित सुविधायुक्त खेल मैदान नहीं होने से बड़ी दिक्कत होती है मजबूरन जंगल की खाली जगह या. फिर गर्मियों में फसल से खाली हुए खेत खलियान में अभ्यास करना पड़ता है। जिससे बड़ी दिक्कत होती है। स्कूलों के खेल मैदानों का भी हाल बेहद खराब है कहीं-कहीं तो मैदान ही नहीं है बच्चों को अपनी प्रतिभाएं निखारने का मौका ही नहीं मिल पा रहा है।

ग्राम पंचायतों के खेल मैदानों में हो रही खेती, कहीं गंदगी

उदाहरण के तौर पर ब्लॉक की कुछ ग्राम पंचायतें देख ले जिसमें ग्राम पंचायत चंदना, ग्राम पंचायत दरौली, ग्राम पंचायत सांगा, ग्राम पंचायत बैलवाड़ा, ग्राम पंचायत सारसबगली, जहां पर खेल मैदान तो है पर कहीं पर खेती बाड़ी हो रही है तो कहीं पर ऊबड़-खाबड़ मैदान है तो कहीं पर झाड़ियां ऊग आई है, तो कहीं पर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। इसके साथ ही कुछ ग्राम पंचायतों में खेल मैदान नहीं बन पाए है। इसके लिए जमीन भी चिन्हित नहीं की गई है। उधर कुछ ग्राम पंचायतों में खेल मैदान अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामों में अभी तक मैदान बनाने कार्य शुरू नहीं हुआ है, वहीं जिस पंचायत में खेल मैदान बनाने का कार्य शुरू हुआ था तो अभी तक पूरा नहीं हो पाया है।

खानापूर्ति तक विकसित किए गए मैदान

शासन की योजनांतर्गत ग्राम स्तर पर शासकीय भूमि को खेल मैदान के लिए विकसित कराने के निर्देश के बाद कुछ ग्रामों में खेल मैदानों को विकसित करने की खानापूर्ति की गई। मशीनों और जनसहयोग से विकसित कराने का कार्य शुरु किया गया था, परन्तु वह मैदान भी हर साल बरसात के दिनों खेतों में तब्दील हो जाते हैं कुछ ग्रामों में खेल मैदान विकसित हैं भी तो स्थानीय ग्रामवासी और खिलाड़ी उसका लाभ नहीं ले पाते हैं आसपास की ग्रामीण प्रतिभाएं खेलों का अभ्यास नहीं कर पाती है। जिसके कारण बहुत से खिलाड़ी मैदान के अभाव में अपनी प्रतिभा दिखाने से महरूम रह जाते है जिसके कारण गांवों में खेल प्रतिभाएं दम तोड़ रही है

इस संबंध में जब जनपद सीईओ मनीष बागरी से बात करने का प्रयास किया गया तो उनका नंबर कवरेज से बाहर रहा जिसके कारण बात नहीं हो सकी ।

इनका कहना है

इस संबंध में जब एसडीएम सौरभ गंधर्व से बात की गई तो उन्होंने कहा मैं दिखवाता हूं और जनपद सीईओ से बात करता हूं साथ ही मंत्री जी को भी अवगत कराया जाएगा जिससे गांव के बच्चों को अच्छे खेल मैदान उपलब्ध हो सकें मैं दिखवाता हूं साथ ही अगर खेल मैदानों में पूर्व में गड़बड़ी की गई है तो संबंधित अधिकारियों से बात कर जांच कराता हूं।

-सौरभ गंधर्व
एसडीएम तेन्दूखेड़ा दमोह

विकसित कृषि संकल्प अभियान में कृषक बढ़-चढ़ कर सहभागिता, कृषि संबंधित जानकारी ले रहे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले मे किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग तथा कृषि संबद्ध विभाग द्वारा खरीफ पूर्व विकसित कृषि संकल्प अभियान का संचालन 29 मई से 12 जून 25 तक किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य कृषकों को खरीफ पूर्व तैयारी के लिए उन्नत एवं वैज्ञानिक तकनीकों, नवीन अनुसंधानों एवं राज्य सरकार की योजनाओं, प्राकृतिक खेती, जल प्रबंधन फसल विविधिकरण,

विदिशा, बासौदा, कुरवाई और सिरोंज के 18-18 ग्रामों में शिविरों का आयोजन हुआ

पशुपालन, उद्यानिकी, मछली पालन एवं कृषि यंत्रीकरण की जानकारी से अवगत कराना है, जिससे कृषकों की आय में वृद्धि हो और वे सतत् कृषि पद्धतियों को अपना सकें।

जिले में इस अभियान के

प्रभावी क्रियान्वयन हेतु तीन दलों का गठन किया गया है, जिसमें किसानो द्वारा बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे हैं एवं अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर रहे हैं। अब तक प्रथम दल द्वारा विकासखंड विदिशा के 18 ग्रामों में दूसरा दल विकासखंड बासौदा के 18 ग्रामों एवं तीसरा दल विकासखंड कुरवाई एवं सिरोंज के 18 ग्रामों में शिविरों का आयोजन किया गया है। जिसमें 3457 किसानों ने शिविर में पहुंचकर कृषि की उन्नत तकनीक एवं मिटटी की जांच, बीज, खाद, सिंचाई, कृषियंत्र, फसल अवशेष प्रबंधन एंव ड्रोन आदि की जानकारी शिविर में उपस्थित कृषि वैज्ञानिको एवं अधिकारियों से प्राप्त की। किसानों द्वारा बताया गया की ऐसे शिविरों का आयोजन पंचायत स्तर पर दोनों सीजन रबी एंव खरीफ से पूर्व किया जाना चाहिये। इस अभियान का नियंत्रण एवं अनुश्रवण उपसंचालक कृषि जिला विदिशा, जिला नोडल अधिकारी एवं भारतीय मृदा विज्ञान भोपाल, केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान भोपाल एंव कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा किया जा रहा है। उप संचालक कृषि ने केएस खपेड़िया ने कृषकों से अपील की है कि वे अधिक संख्या में पहुंचकर लाभ लें।

कक्षा 5 व 8 में जिले की टॉप 10 सूची में स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

कलेक्टर ने छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर किया सम्मानित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले में शिक्षा के क्षेत्र में कक्षा 5वीं एवं कक्षा 8वीं वार्षिक परीक्षा 2025 मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों और शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में कक्षा 5वीं और 8वीं के जिला स्तरीय प्रवीणता सूची में टॉप टेन विद्यार्थियों और 100 प्रतिशत परिणाम वाली शालाओं के शिक्षकों को फूल माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों और शिक्षकों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास और लगन की आवश्यकता होती है। उन्होंने ज्ञान अर्जित करने के लिए आज के दौर में तकनीकी क्षेत्र के संबंध में कहा कि पहले के जमाने में ज्ञान अर्जित करने के लिए संसाधन उपलब्ध नहीं रहते थे किताबें खरीदने के लिए यहां वह भटकना पड़ता था, लेकिन आज तकनीकी क्षेत्र में हुए बदलाव और प्राप्त उपलब्धियां के बलबूते पर सोशल मीडिया पर अच्छी शिक्षा ग्रहण की जा सकती है फिर चाहे

व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्र में ही निवास क्यों न कर रहा हों। सोशल मीडिया पर ज्ञान अर्जित करने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में जानकारी प्राप्त की जा सकती है उन्होंने सोशल मीडिया का सदुपयोग करने की सलाह देते अच्छी शिक्षा ग्रहण करने की बात कही।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सफल सभी विद्यार्थियों और उनके पालको के साथ-साथ शिक्षकों को भी शुभकामनाएं देते हुए स्वच्छता के प्रति भी सजग रहने की अपील की उन्होंने कहा कि हम अपने जिले को साफ स्वच्छ बनाने की दिशा में कार्य करें। जिस प्रकार हम अपने घर में साफ सफाई रखते हैं वैसे ही स्कूल गांव और मोहल्ले में भी साफ सफाई रखें और साफ सफाई के संदेशों का प्रसारण भी करें।

कार्यक्रम के दौरान जिला परियोजना समन्वयक श्री आरपी लखेर ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल छात्रों के लिए बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए हमें निरंतर प्रयास करते रहना होगा।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

सम्मानित होने वाले टॉप टेन छात्रों के नाम

डीपीसी आरपी लखेर ने बताया कि जिला स्तरीय प्रवणता सूची में कक्षा आठवीं में जिन विद्यार्थियों द्वारा टॉप 10 सूची में स्थान बनाया है उनमें पायल मीना, दीपिका शर्मा, नैन्सी तिवारी, प्रिया रैकवार, मुनमुन नामदेव, नैन्सी सेन, पूजा वघेल, दिलासा कुशवाहा, कावेरी धाकड़ और तनिष लोधी शामिल हैं इसी प्रकार कक्षा पांचवी में जिन विद्यार्थियों द्वारा टॉप 10 सूची में स्थान बनाया है उनमें पूजा शाक्य, विधि सिंह, दिशिता लोधी, आयुष बघेल, आराध्या यादव, यशवंत धाकड़, बालकृष्ण बघेल, आशीष कुमार, प्रिंस अहिरवार, गुंजन और सिमरन राठौर शामिल हैं।

सम्मानित होने शिक्षक

कक्षा 5वीं एवं कक्षा 8वीं वार्षिक परीक्षा 2025 मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों और शिक्षकों का सम्मान समारोह में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम लाने वाले शिक्षकों का भी सम्मान हुआ उनमें श्रीमती साइना बानो, प्रमोद कुमार जैन, घनश्याम कुशवाहा, शकील गोरी, सुभाष सोकर, मोहम्मद साजिद खान, श्रीमती अंगूरी कुशवाहा, महेश राठौर, अनिल शर्मा, श्रीमती रूसी रिछारिया तथा शिक्षक श्रीमती कृपा तिर्की, धीरज सिंह मीणा, पार्थ सारथी नामदेव, श्रीमती शोभा रघुवंशी, संतोष जैन, रामकृष्ण रघुवंशी, राजेंद्र भावसार, चंद्र मोहन माली, सुरेंद्र अहिरवार और श्रीमती नुसरत जहां शामिल हैं।

शिक्षकों और बच्चों ने किया अपने अनुभव सांझा

कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में 100 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित करने पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी अपने-अपने अनुभव सांझा किये। इस दौरान प्राथमिक शाला बलरामपुर लटेरी में पदस्थ शिक्षिका रूसी रिछारिया ने बताया कि वह कैसे अपने स्कूल में दर्ज बच्चों को शत प्रतिशत अटेंडेंट के साथ किस प्रकार उन्हें अध्ययन कराती थी वह बच्चों को प्रतिदिन स्कूल लाने के लिए प्रेरित करती थी। जिससे बच्चे भी समय पर रोजाना स्कूल आते थे और अपनी पढ़ाई को पूरी लगन के साथ करते थे। जिसके फलस्वरुप आज उनकी प्राथमिक शाला में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त हुआ। इसी प्रकार के अनुभव अन्य शिक्षकों के द्वारा भी सांझा किए गए।

इसके अलावा जिले की टॉप 10 सूची में शामिल कक्षा आठवीं की छात्रा नैंसी तिवारी ने भी स्कूल में शैक्षणिक क्षेत्र में शिक्षकों द्वारा किए गए नवाचारों और उनके द्वारा दी गई शिक्षा के अनुभव सांझा करते हुए कहा कि हमारे शिक्षक द्वारा लक्ष्य निर्धारित कर प्रति विषय के चार प्रश्न याद करने के लिए दिए जाते थे। जिसके फल स्वरुप उन्होंने कक्षा आठवीं में जिले की टॉप 10 सूची में तीसरा स्थान हासिल किया है जिसका पूरा श्रेय उन्होंने अपने शिक्षकों को दिया है।

कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा ने भी उपस्थित छात्र-छात्राओं , उनके पालकों व शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

एचडीएफसी बैंक के कर्मचारी प्रिंस श्रीवास्तव से पुलिस ने अब तक बरामद किए 20 लाख

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

एचडीएफसी बैंक में कार्य करवाने बैंक कुर्मी प्रिंस श्रीवास्तव ने ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी राशि लेकर गायब हो गया था जिसने पिछले दिनों इसने पुलिस क सामने सिलेंडर कर दिया था । पी आर के दौरान पूछताछ के बाद पुलिस ने इस मामले में अब तक 20 लख रुपए बरामद कर लिए हैं । बाकी राशि की वसूली होना शेष है इस मामले में पुलिस एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने बताया कि

20 अप्रैल को फरियादी शुजाअत अली पुत्र विलायत अली उम्र 54 साल निवासी वार्ड नं. 06 तलैया मोहल्ला थाने पर उपस्थित होकर रिपोर्ट की थी एचडीएफसी बैंक शाखा सिरोंज में कार्यरत सहायक शाखा प्रबंधक प्रिंस श्रीवास्तव द्वारा छल पूर्वक (धोखाधडी कर) मेरे खाते से मेरे तीनों चैक लगाकर कुल 24,40,000 रुपये की धोखाधडी कर रूपये लेकर भाग गया है । रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 134/25 धारा 318(4) , 316(5) बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया है । विवेचना प्रारंभ की गई ।

आरोपी द्वारा जिन खातों में राशि को ट्रांसफर किया गया था । सायबर सेल की सहायता से उक्त खातों मे राशि को होल्ड कराकर सुरक्षित किया गया । वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार आरोपी प्रिंस श्रीवास्तव की लगातार तलाश लगातार की जा रही थी। सहायक आरोपी ध्रुब कुमार दुबे पुत्र प्रमोद कुमार उम्र 24 साल निवासी गोरी कोम्पलेक्स के सामने बरेठ रोड गंजबासोदा को दिनांक 22.05.2025 को गिरफ्तार किया गया । आरोपी प्रिंस श्रीवास्तव (सहायक शाखा प्रबंधक एच.डी.एफ.सी. बैक प्रिंस श्रीवास्तव) पुत्र वीरेन्द्र श्रीवास्तव उम्र 26 साल निवासी वार्ड नं. 08 नवांकुर गली , गंजबासोदा जिला विदिशा को विवेचना के दौरान 28.05.2025 को गिरफ्तार किया गया । आरोपी से पूछताछ के दौरान प्रकरण का मशरूका 10 लाख 10 हजार रूपये की राशि बरामद की गई है तथा 9 लाख 90 हजार रूपये बैंक में फ्रीज कराये गये है । कुल मशरूका 20 लाख रूपये बरामद किये गये है । शेष राशि की बरामदगी होना बाकी है

आईटीआई में प्रवेश पंजीयन की तिथि बढ़ी

सिरोंज। विदिशा जिले की समस्त शासकीय आईटीआई में प्रवेश सत्र 2025-26 हेतु पंजीयन हैं। प्रथम एवं द्वितीय चरण में प्रवेश हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 16 जून 2025 कर दी गई है। इच्छुक आवेदक विभाग की वेबसाइट https://mpiticounseling.co.in/ पर जाकर पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। विदिशा जिले की 7 शासकीय आईटीआई क्रमशः विदिशा, गंजबासोदा, सिरोंज, लटेरी, ग्यारसपुर, नटेरन, एवं कुरवाई में कुल ट्रेडों में 1224 सीटें उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु शासकीय आईटीआई विदिशा के हेल्पडेस्क पर संपर्क कर सकते हैं।

ईद को लेकर हुई शांति समिति की बैठक, पर्दे लगाकर ही करें कुर्बानी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को बकरा ईद को लेकर थाने में शांति समिति की बैठक आयोजन किया गया । जिसमें एसडीएम हर्षल चौधरी, एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने कहा कि हर बार की तरह आपसी भाईचारे और शांति से ही का ईद मनाए जिन स्थान पर पहले से कुर्बानी होती है उन्हें पर करें नए स्थान पर कुर्बानी ना करें कुर्बानी के दौरान पूरी सावधानी रखें पर्दे लगाए करें विशेष रूप से साफ सफाई रखें। कमेटी बनाकर इस काम इस करें। एसडीएम ने नगर पालिका और बिजली वितरण कंपनी को बिजली के अधिकारियों को समय से पहले सभी इंतजाम करने

के निर्देश दिए सदस्यों ने भी अपने-अपने विचार और सुझाव दिए जिन पर विचार करने की बात अधिकारी दूसरी ओर ईदगाह पर ईद की मुख्य नमाज अदा की जाए इसकी तैयारी आयोजन कमेटी के द्वारा की जा रही है। 7 मई को बकरा ईद मनाई जाएगी इसके चलते बकरों के दामों मैं भी वृद्धि हो गई है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान घटवार से हुआ प्रारंभ, एसएडीओ ने दिखाई झंडी

सिरोंज। मंगलवार से उन्नत खेती और तकनीक के बारे में कृषकों को जानकारी देने के लिए विकसित कृषि संकल्प यात्रा प्रारंभ की गई है।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग और अन्य विभागों की मौजूदगी में विकासखण्ड के 3 गाँव घटवार, सुल्तानपुर , भरवास आरंभ किया जिसमें आसपास के ग्रामों के किसान सम्मिलित हुये । एसएडीओ वीरेंद्र मालवीय ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के बारे में विस्तार से बताया। वहीं कृषि वैज्ञान केन्द्र रायसेन के वैज्ञानिक द्वारा किसानों को बताया गया कि फसलों के लिये संतुलित उर्वरकों का उपयोग मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर करना चाहिए एवं इनके द्वारा किसानों को नरवाई जलाने पर मिट्टी एवं पर्यावरण पर होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी प्रदान की। कृषि में अपनाई जा रहे उन्नत कृषि यंत्रों के बारे में बताया एवं किसानों को फसल उत्पादन में आ रही कठिनाईयों का निराकरण के संबंध में समझाया । दिनेश कुमार अहिरवार विकास खंड तकनीकी प्रबंधक आत्मा ने किसानों से जैविक, प्राकृतिक एवं परंपरागत खेती के बारे में विस्तृत चर्चा की ।

जनसुनवाई कार्यक्रम में 219 आवेदन प्राप्त हुए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा हरेक मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से आवेदको की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। मंगलवार तीन जून को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में 219 आवेदको के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है।

जनसुनवाई कक्ष में मौके पर 80 आवेदनो का निराकरण किया गया है शेष लंबित आवेदनों पर समय सीमा में कार्यवाही कर निराकरण की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश उल्लेखित विभागो के अधिकारियों को दिए गए है।

कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित जनसुनवाई कक्ष के समीप स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपचार केम्प के अलावा आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्यो का भी संपादन किया जा रहा है।

आज मंगलवार को आधार सेन्टर में 20 आयुष्मान कार्डो के संदर्भ में स्टॉल के माध्यम से कार्य संपादित किया गया है जिसमें मुख्यतः नाम परिवर्तन, नाम, पता परिवर्तन तथा नवीन आयुष्मान कार्ड जारी करने के कार्य किए गए है। वहीं स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत चिकित्सको के द्वारा 28 नागरिकों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया है।

आज जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार, संयुक्त कलेक्टर द्वय सुश्री निकिता तिवारी, श्रीमती शशि मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष बिटौलिया, अतिरिक्त सीईओ श्री पंकज जैन के अलावा विभिन्न विभागों के जिलाधिकारियों के द्वारा आवेदनो का निराकरण किया गया है।

मेट्रो एंकर बीच मझधार काम छोड़कर भागा ठेकेदार, बारिश में लोगों को होगी परेशानी

नाले की दीवार गिरी, गुणवत्ताहीन कार्य की शिकायतों के बाद ठेकेदार ने छोड़ अधूरा काम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मानसून की बारिश शुरू होने में कुछ दिन ही शेष बचे हुए हैं। इस समय ही ठेकेदार नाले का काम पूरा करने की जगह पर बीच मझधार में छोड़कर सामान लेकर चलता बना इसकी जानकारी लगते ही लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। नगर पालिका परिषद के अधिकारियों को तो उसकी जानकारी है नहीं कि ठेकेदार ने नाला बनाने कार्य बंद करके समान ही समेट लिया है। वहीं इस नाले को बनाने के लिए बड़ी मुश्किल से कोई ठेकेदार तैयार हुआ था क्योंकि यहां काम करना बहुत मुश्किल हालात हैं गटर का पानी सैकड़ो घरों का निकल रहा है उसके बीच ही इस काम को ठेकेदार करवा रहा था वहीं पिछले दिनों बारिश के साथ नाल निर्माण की दौरान दीवार गिरने पर जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों ने ठेकेदार की जमकर खिंचाई कर दी ऐसी जानकारी सामने आई है इसके कारण ही उसने नाला बनाने का कार्य बंद कर दिया है वहीं आगे निर्माण करने के लिए वहां अब तैयार नहीं हो रहा है। काम अधूरा रहने पर बरसात के दिनों में आसपास के मोहल्लों से लेकर रहवासियों को जरूर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा लंबे क्षेत्र को जोड़ने वाला नला है। हजारों लोग प्रभावित होंगे अधूरे नाले के कारण बारिश का पानी नहीं निकले के कारण परेशान होंगे इनके घरों में पानी भरने के हालात भी बनेंगे नाला बनवाने के लिए फिर से प्रयास करने की बात एसडीएम से लेकर नगर पालिका के इंजीनियर कर रहे हैं।

वहीं देखने वाली बात होगी कि अधिकारी गुणवत्ता के साथ ठेकेदार से दोबारा काम करवाने की बात तो कर रहें ठेकेदार फिर से काम प्रारंभ करेगी या इसी तरह काम अधूरा पड़ जाएगा या तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा। काम नहीं होने पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि से लेकर अधिकारियों को भी जनता की खरी खोटी सुनाई पड़ेगी इसलिए इनको भी प्रयास करके उठने ठेकेदार या फिर दूसरे ठेकेदार से अधूरे काम को जल्दी-जल्दी पूर्ण करवाना होगा बारिश प्रारंभ होने पर इसका काम हो नहीं पाएगा अभी यहां पर काम करने

में कठिनाई हो रही है बारिश शुरू होने पर तो यहां पर काम करना असंभव हो जाएगा दूसरे नालों को भी कनेक्ट करना है वह भी नहीं हो पाए हैं। वहीं पहले से ही पालीवाल कॉलोनी के नाल का काम बंद पड़ा हुआ है अन्य नाले भी बनें अधिकांश ठेकेदार लापरवाही कर रहे हैं उन पर तो कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जो ठेकेदार हालत खराब होने के बाद भी जैसे तैसे कम कर रहा था उस काम करवाने ठेकेदार को भगा दिया है ।ऐसे में समस्या कम होने की जगह पर बढ़ गई है जिन्होंने इस समस्या को जन्म दिया है अब उन्हीं को इस समस्या को दूर करवाने के लिए आगे कदम उठाने होंगे तभी नाले का पूर्ण हो पाएगा। जिस समय काम प्रारंभ हुआ था उसी समय गुणवत्ता के साथ तेजी से काम करवाया होता तो आज ऐसी हालत भी नहीं बनती ठेकेदार भी अधूरा काम छोड़कर नहीं भाग पता पर उसको सामान समेटकर ले जाने दिया और नगर पालिका प्रशासन के अधिकारी आंखें बंद करके तमाशा देखते रहे उनको इसकी खबर ही नहीं है इसे अंदाज लगा सकता की कितनी लापरवाही से कार्य यहां पर ठेकेदार कर रहे हैं और जिम्मेदारी ध्यान नहीं दे रहे हैं इनको तो शायद अपने परसेंटेज से मतलब है तभी तो घटिया काम हो रहा है जिम्मेदार आंखें बंद करके तमाशा देखने उसी का परिणाम है कि निर्माण होने के चंद दिनों में यह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा रहे हैं।

कस्टम पथ से लेकर छतरी चौराहे तक 350 मीटर चौड़े नाले का निर्माण बड़ी मुश्किल से किसी ठेकेदार ने विषम परिस्थिति बनाने प्रारंभ कर दिया था 200 मीटर बन चुका है डेढ़ सौ मीटर बना शेष है।

इनका कहना है

ठेकेदार ने काम बंद कर दिया है इसकी अभी मुझे जानकारी नहीं मिली है यदि काम बंद हो गया है तो ठेकेदार से बात करके हम काम फिर से करवाएंगे ।

सौरभ श्रीवास्तव इंजीनियर

मैं ट्रेनिंग पर गया था ठेकेदार से बात करके हम गुणवत्ता के साथ नाल का निर्माण बारिश से पूर्व करवाएंगे और एक दूसरे से नालों को कनेक्ट करवाएंगे ।

-हर्षल चौधरी
एसडीएम

आईपीएल-2025 फाइनल: पंजाब किंग्स को भी मिले करोड़ों

चैम्पियन आरसीबी पर हुई पैसों की बारिश

अहमदाबाद, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के 18वें सीजन का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने जीता। 3 जून (मंगलवार) को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को 6 रनों से हरा दिया। आरसीबी जहां पहली बार आईपीएल चैम्पियन बनी है, वहीं पंजाब किंग्स की पहली खिताबी जीत का इंतजार अब भी कायम है। आईपीएल 2025 में फाइनल के बाद अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन हुआ, जिसमें चैम्पियन और रनर-अप टीम पर पैसों की बारिश हुई। इसके अलावा टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अवॉर्ड्स दिए गए। विजेता टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 20 करोड़ रुपये मिले, जबकि रनर-अप रही पंजाब किंग्स को 12.50 करोड़ रुपये मिले।

आईपीएल 2025 में टॉप-4 टीमों की प्राइज मनी

- विजेता टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- 20 करोड़ रुपये
- उप-विजेता पंजाब किंग्स- 12.5 करोड़ रुपये
- तीसरे नंबर वाली टीम मुंबई इंडियंस- 7 करोड़ रुपये
- चौथे नंबर वाली टीम गुजरात टाइटन्स- 6.5 करोड़ रुपये

इन्हें भी मिले अवॉर्ड्स

- सीजन में सबसे ज्यादा रन ऑरेंज कैप- साई सुदर्शन 759 रन, 10 लाख रुपये
- सीजन में सबसे ज्यादा विकेट पर्पल कैप- प्रसिद्ध कृष्णा 25 विकेट, 10 लाख
- इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन- साई सुदर्शन, 10 लाख रुपये
- मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर ऑफ द सीजन- सूर्यकुमार यादव, 15 लाख रुपये
- सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन- वैभव सूर्यवंशी, Tata Curv ईवी कार
- सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स- निकोलस पूरन, 10 लाख रुपये
- सीजन में सबसे ज्यादा डॉट बॉल- मोहम्मद सिराज, 10 लाख रुपये
- सीजन का सबसे बेहतरीन कैच- कामिंदु मेंडिस, 10 लाख रुपये
- सीजन में सबसे ज्यादा चौके- साई सुदर्शन, 10 लाख रुपये
- फेयर प्ले अवार्ड- चेन्नई सुपर किंग्स
- पिच एंड ग्राउंड अवॉर्ड- DDCA दिल्ली डिस्ट्रिक्ट एंड क्रिकेट एसोसिएशन, 50 लाख रुपये

चैम्पियन बनने के बाद बोले विराट कोहली

मुझे कभी नहीं लगा था कभी ऐसा दिन आएगा

अहमदाबाद, एजेंसी

17 साल बाद आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराकर इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल 2025 का खिताब पहली बार अपने नाम किया है। इस महाजीत के बाद विराट कोहली काफी भावुक नजर आए। कोहली इकलौते खिलाड़ी हैं जो आरसीबी के साथ शुरू से जुड़े हुए हैं। इस जीत के बाद कोहली का रिएक्शन काफी वायरल हो रहा है। विराट कोहली ने कहा, यह जीत जितनी हमारी टीम के लिए है, उतनी ही हमारे फैंस के लिए भी है। यह 18 लंबे सालों का इंतजार था। मैंने अपना युवावस्था, अपना सर्वश्रेष्ठ समय इस टीम को दिया। मैंने इसमें अपनी पूरी ताकत झोंक दी। मुझे कभी नहीं लगा था कि यह दिन भी आएगा। जैसे ही आखिरी गेंद डाली गई, मैं भावुक हो गया।

कोहली ने आगे कहा, एबी डिविलियर्स ने इस फ्रेंचाइज़ी के लिए जो किया है, वह जबरदस्त है। मैंने उन्हें मैच से पहले भी कहा था - यह जीत उतनी ही तुम्हारी भी है और मैं चाहता था कि तुम हमारे साथ जश्न मनाओ। वह आज भी हमारे लिए सबसे यादा मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि वह चार साल पहले संन्यास ले चुके हैं। उन्हें हमारे साथ इस पोडियम पर होना ही चाहिए।

कोहली ने कहा कि मैं इस टीम के प्रति हमेशा वफादार रहा हूं, चाहे कुछ भी हो जाए। ऐसे पल भी आए जब मैंने सोचा कि शायद छोड़ दूं, लेकिन मैंने इस टीम का साथ नहीं छोड़ा। मेरा दिल बेंगलुरु के साथ है, मेरी आत्मा बेंगलुरु के साथ है, और जब तक मैं आईपीएल खेलूंगा, इसी टीम के लिए खेलूंगा। आज रात मैं सुकून की नींद सोऊंगा। मुझे नहीं पता कि मैं यह खेल और कितने साल खेल पाऊंगा।

ऐसा रहा फाइनल मैच

इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल 2025 का खिताब आरसीबी ने 17 साल बाद जीत लिया है। फाइनल मैच में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया। ये मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में पंजाब की टीम ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया था। दोनों ही टीमें बिना किसी बदलाव के इस महामुकाबले में उतरी थीं। आरसीबी की टीम पहले बैटिंग के लिए उतरी थी। आरसीबी ने 9 विकेट खोकर 190 रन बनाए थे। कोहली के बल्ले से 43 रन आए। वहीं जेमिसन और अर्शदीप ने 3-3 विकेट झटके थे। इसके जवाब में उतरी पंजाब किंग्स 184 रन ही बना सकी और आरसीबी ने ये खिताब जीत लिया।

तात्याटोपे स्टेडियम में 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन

राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिखाएंगे जौहर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्नूकर खेल को भोपाल में प्रोत्साहित करने के लिए आज 04 से 07 जून 2025 तक राज्य स्तरीय 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन तात्याटोपे स्टेडियम में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रदेश भर के कुल 32 खिलाड़ी प्रतिभागिता करेंगें। प्रतियोगिता के विजेताओं को आकर्षक नगद पुरस्कार भी दिया जावेगा। सबसे ज्यादा ब्रेक लगाने वाले स्नूकर खिलाड़ी को और क्वार्टर फायनल, सेमीफायनल और फायनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को भी नगद राशि से पुरस्कृत किया जावेगा।

इस प्रतियोगिता में प्रिंयक जयसवाल, उजेर खान, पीयूष कुशवाह, उदित राय, सचिन परिहार, दिव्यांश शुक्ला, सौरभ श्रीवास्तव व प्रतीक जैन जैसे ख्याति प्राप्त खिलाड़ी प्रतिभागिता कर रहे है। प्रतियोगिता संचालन के लिए पंकजनंदनवार चीफ रेफरी रहेंगें।

उल्लेखनीय है यह पहला अवसर है जब युवाओं में स्नूकर खेल को प्रोत्साहित करने के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित

की जा रही है। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संचालक खेल और युवा कल्याण श्री राकेश गुप्ता उपस्थि रहेंगें। विश्व के ख्याति प्राप्त खिलाड़ी श्री कमल चावला की देख रेख में प्रतियोगिता आयोजित की जावेगी। प्रतियोगिता में सहायक प्रशिक्षक संदीप सिंह का सक्रिय सहयोग होगा। प्रतियोगिता प्रातः 10:00 बजे तात्याटोपे स्टेडियम के बिलियर्ड स्नूकर हॉल में प्रारंभ होगी।

इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट : सिंधू दूसरे दौर में

सेन और प्रणय हार के बाद हुए बाहर

जकार्ता , एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने मंगलवार को यहां संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करके इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई, लेकिन लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। सिंधू ने महिला एकल में अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 19 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 22-20, 21-23, 21-15 से हराया।

सिंधू ने मैच के बाद कहा, ''पहले दौर में जीत हासिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे निश्चित तौर पर मेरा हौसला बढ़ेगा। मैं पहले दौर में हारती रही हूं, इसलिए इस तरह के मैच जीतना मेरे लिए बहुत उपयोगी और महत्वपूर्ण है।'' सेन ने एक घंटे और पांच मिनट तक चले पुरुष एकल मुकाबले में दुनिया

के नंबर दो खिलाड़ी चीन के शि यू क्यू से 11-21 22-20 15-21 से हारने से पहले कड़ी चुनौती पेश की। भारत के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पीठ की चोट से उबरकर वापसी की। चोट के कारण वह पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन में मैच के बीच से हट गए थे लेकिन यहां उन्होंने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया। पहला गेम आसानी से गंवाने और दूसरे गेम में 11-17 से पीछे होने के बाद सेन ने जोरदार वापसी की। उन्होंने एक मैच प्वाइंट बचाया और 22-20 से गेम जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम तक खींच दिया। लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए।

पुरुष एकल में एचएस प्रणय भी इस 1,450,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 17-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू और ओकुहारा के बीच गलतियों से भरा मैच रोमांचक रहा, जिसमें काफी गेम प्वाइंट और मैच प्वाइंट मिले। सिंधू ने पहला गेम 22-20 से जीता। भारतीय खिलाड़ी ने इस दौरान एक गेम प्वाइंट बचाया और महत्वपूर्ण क्षणों में आक्रामक शॉट लगाए।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

आमिर खान ने फैंस को दिया बड़ा सरप्राइज, यूट्यूब पर मुफ्त में स्ट्रीम होगी उनकी यह ब्लॉकबस्टर फिल्म

बॉलीवुड मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इन दिनों आमिर इस फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। वहीं इसी बीच एक इवेंट के दौरान उन्होंने अपनी एक ब्लॉकबस्टर फिल्म को यूट्यूब पर मुफ्त में दिखाने की बात कही है। दरअसल, एक खबर के मुताबिक, आमिर की फिल्म तारे जमीन पर को यूट्यूब पर मुफ्त में दिखाया जाएगा, लेकिन एक खास शर्त के साथ। इस फिल्म को केवल 1-2 हफ्तों के लिए ही उनके यूट्यूब चैनल आमिर खान टॉकीज पर उपलब्ध कराया जाएगा। फिल्म के एक खास सीन को भी किया याद

इस इवेंट में आमिर ने फिल्म तारे जमीन पर के एक सीन के बारे में भी बात की। जिस सीन में एक नाव वाला सीन था। होस्ट ने पूछा कि क्या उस सीन की तस्वीर में आमिर के माता-पिता हैं, तो आमिर ने मजाक में कहा कि उन्हें नहीं पता, शायद वे अमोल गुप्ते के माता-पिता हों! उन्होंने अपने सह-कलाकार दर्शील सफारी की भी तारीफ की, जो सेट पर हमेशा नाचते रहते थे, लेकिन शॉट के समय तुरंत अपने किरदार में ढल जाते थे। आमिर खान जल्द ही फिल्म सितारे जमीन पर में नजर आएंगे। यह एक स्पोर्ट्स कॉमेडी-ड्रामा है। यह फिल्म 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आमिर खान के अलावा जेनेलिया देशमुख, डॉली अहलूवालिया और कई नए कलाकार नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण आमिर खान, अपर्णा पुरोहित और रवि भागचंदका ने मिलकर किया है।

मेट्रो बाजार

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात 10 माह के उच्चस्तर पर

नई दिल्ली। भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात मई में बढ़कर 10 महीने के उच्चस्तर 19.6 लाख बैरल प्रति दिन पर पहुंच गया है। वैश्विक बेंचमार्क कीमतों की तुलना में रूसी तेल पर लगातार मिलने वाली महत्वपूर्ण छूट इसकी मुख्य वजह रही। केप्लर के पोत परिवहन गतिविधियों से जुड़े आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक और उपभोक्ता है। यह विदेशों से करीब 51 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदता है जिससे रिफाइनरियों में पेट्रोल एवं

डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता है। भारत का तेल आपूर्तिकर्ताओं में रूस की सबसे बड़ी 38 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी है। वहीं इराक से भारत को प्रतिदिन 12 लाख बैरल कच्चा तेल मिलता है। इराक देश के लिए दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। सऊदी अरब ने 6,15,000 बैरल प्रति दिन का निर्यात किया, जबकि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 4,90,000 बैरल प्रति दिन की आपूर्ति की। अमेरिका ने 2,80,000 बैरल प्रति दिन की आपूर्ति की। केप्लर में रिफाइनिंग एवं मॉडलिंग के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, '' कुल मिलाकर, मई 2025 के लिए भारत का कच्चा तेल आयात खाका इसकी मूल्य-संवेदनशील, विविध 'सोर्सिंग' रणनीति को उजागर करता है।

12000 रुपए सस्ता हो सकता है सोना, भारी गिरावट की चेतावनी!

नई दिल्ली। कुछ महीनों पहले तक जो सोना निवेशकों के लिए चमकती हुई उम्मीद था, वह अब गिरावट के संकेत दे रहा है। मार्च-अप्रैल में जब इसकी कीमतें ?1 लाख प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंचीं, तो लगा था कि यह ऊंचाई अभी और बढ़ेगी। लेकिन हाल के घटनाक्रमों और वैश्विक आर्थिक संकेतों ने तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव और फिर भारत की ओर से शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद बाजार में अस्थिरता जरूर दिखी, लेकिन इसके उलट सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई। मौजूदा समय में कीमत करीब 97,000 प्रति 10 ग्राम पर आ चुकी है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय सुरेश केडिया का मानना है कि अभी के स्तर से सोना और कमजोर हो सकता है। उनका कहना है कि जैसे अप्रैल-मई में सोने में लगभग 10त्न का करेक्शन आया था, उसी तरह आने वाले समय में इसकी कीमत 80,000-?85,000 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ सकती है।

तो गिरावट की वजह क्या है?

1. प्रॉफिट बुकिंग का असर- जैसे ही सोने ने रिकॉर्ड ऊंचाइयों को छुआ, बड़े निवेशकों ने मुनाफा काटना शुरू कर दिया। ईटीएफ में जबरदस्त हलचल देखने को मिली, लेकिन अब यह पैसा अन्य एसेट्स में शिफ्ट हो रहा है। इससे गोल्ड पर बना प्राइस सपोर्ट कमजोर हुआ है। 2. कम होता वैश्विक तनाव- गोल्ड को आमतौर पर फ्सेफ हेवनफ् माना जाता है, लेकिन जब दुनिया में संकट या तनाव कम होता है, तो इसकी मांग घटने लगती है। 3. आरबीआई की संभावित पॉलिसी में बदलाव -6 जून को होने जा रही रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति बैठक पर भी सबकी नजर है। अगर आरबीआई इकोनॉमिक ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए रेपो रेट में कटौती करता है, तो इससे सोने की कीमतों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

जब बजट के चलते अटकने वाली थी रेखा की उमराव जान

लखनऊ के शाही घरानों ने खोल दी थीं तिजोरियां

जून का महीना वैसे तो बेरहम गर्मियों के लिए बदनाम है। मगर इस महीने की शुरुआत के साथ ही क्लासिक हिंदी सिनेमा के फैन्स के दिलों को ठंडक देने वाली खबर भी आई है। हिंदी सिनेमा के लेजेंड एक्ट्रेसेज में से एक रेखा की सबसे आइकॉनिक और यादगार फिल्मों में से एक उमराव जान एक बार फिर से पर्दे पर लौट रही है। नेशनल मल्टीप्लेक्स सिनेमा चेन पीवीआर-आईनॉक्स ने सोमवार को अनाउंस किया कि 1981 में बनी क्लासिक उमराव जान 27 जून को उनके थिएटर्स में फिर से री-रिलीज होने जा रही है। फिल्म के पुराने प्रिंट को yK क्वालिटी में रिस्टोर किया गया है जो अब थिएटर्स में नजर आएगा। 44 साल बाद थिएटर्स में लौट रही उमराव जान आज भी अपनी ऑथेंटिक स्टोरी टेलिंग के लिए याद की जाती है। डायरेक्टर मुजफ्फर अली ने इस फिल्म में साल 1840 में सेट कहानी को जिस कलाकारी से पर्दे पर उतारा था, उसके लिए आज भी फिल्म फैन्स में आज भी उमराव जान एक आइकॉनिक फिल्म है। रेखा इससे पहले भी दो फिल्मों में तवायफ का रोल कर चुकी थीं। लेकिन पीरियड ड्रामा में उन्होंने शाही मेहमानों का दिल जीतने वाली तवायफ का रोल जिस खूबी से निभाया उसके लिए उन्हें उनका पहला नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। मगर रेखा को उमराव जान बनाकर पर्दे तक लाने में डायरेक्टर मुजफ्फर अली ने बहुत स्ट्रगल किया था।

इन आंखों की मस्ती....

उमराव जान में स्क्रीन पर दिख रहीं रेखा, एक रहस्य जैसी थीं। खूबसूरती ऐसी कि देखने वाला पलकें झपकाना भूल जाए। अदाएं ऐसी धड़कनों की रफ्तार कम पड़ जाए। मगर फिर भी उनके किरदार में कुछ ऐसा था जिसे आदमी महसूस तो कर सकता था, बयां नहीं कर सकता था। 1840 में सेट कहानी में रेखा ने अमीरन का किरदार निभाया, जिसे लखनऊ के एक कोठे पर बेच दिया जाता है। कोठे पर उसे शायरी, डांस और दूसरी कलाएं सिखाई जाती हैं। यहीं अमीरन को एक नया नाम मिलता है- उमराव जान। मर्दों के दिल को छलनी कर देने वाली तमाम अदाओं से लैस अमीरन के रोल में, रेखा के ठहराव भरे मूवमेंट, आंखों के अद्भुत खेल और आवाज खूबसूरती की एक अद्भुत तस्वीर तैयार करते थे। उमराव जान के डायरेक्टर मुजफ्फर अली ने, रेखा- द अनटोल्ड स्टोरी किताब के लिए बात करते हुए कहा था, (फिल्म में) रेखा की सबसे स्पष्ट खूबी वो थी, जो उन्हें उनके अपने पास्ट से मिली थी। उनकी आंखों में टूट जाने और फिर खुद को समेटने का अनुभव झलकता था।

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित प्रियदर्शिनी नगर में देर रात फायर होने से इलाके में दहशत

पुराने केस में समझौते की नियत से घर पर पहुंचे बदमाशों ने किए दो फायर, युवक को धमकाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित प्रियदर्शनी नगर में बीती रात आधा दर्जन बदमाशों ने एक युवक से मारपीट करते हुए उस पर फायर कर दिए। फायर होने के बाद युवक झुक गया और दोनों गोली मिस फायर हो गई। एक फायर दीवार में लगा है, जबकि दूसरा फायर हवाई था। पुलिस ने घटनास्थल से फायर हुए कारतूस का एक खोखा बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि फायर और विवाद की वजह पुराने केस में समझौता करने की बात सामने आई है।

दरअसल, आरोपी पुराने केस में समझौता करने की नियत से युवक के घर पहुंचे थे। वहां कहासुनी होने के बाद आरोपियों ने झूमाझटकी करते हुए धमकाया और फायर

कर दिया। पुलिस के अनुसार लोकश अहिरवार (21) प्रियदर्शिनी नगर, टीटी नगर में रहता है और प्राइवेट गाड़ी चलाता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत वर्ष उसका विवाद हुआ था। विवाद के बाद प्रकरण थाने गया और हत्या के प्रयास की एफआईआर हुइ?थी। इसके बाद केस न्यायालय में विचाराधीन है। कोर्ट में राजीनामा कराने की नियत से तिलक कामले अपनी गैंग को लेकर लोकेश के घर रात करीब पौने 12 बजे पहुंचे। तिलक के साथ प्रिंस, पूरब, इस्माइली उर्फ तनिष्क, प्रियांस सहित निहाल और उसके साथी थे। सभी लोग अलग-अलग गाड़ियों से पहुंचे और लोकेश को बात करने के लिए घर से बाहर बुलाया। लोकेश को धमकाते हुए आरोपी पुराने केस में समझौता करने की बात कर रहे थे। इस दौरान लोकेश ने कहा कि ठीक है समझौता कर लेंगे, लेकिन इतनी रात में नहीं, कल सुबह बात करते हैं। इस पर आरोपी भड़क गए और लोकेश के साथ झूमाझटकी करने लगे। इसी बीच आरोपी तिलक कामले ने पिस्टल से दो फायर कर दिए। फायर होने से पूर्व लोकेश झुक गया। इससे एक फायर मिस हो गया, जबकि दूसरा फायर होने से पूर्व वह अपने घर के अंदर घुस गया था।

देर रात पहुंची पुलिस बरामद किया खोखा

इलाके में विवाद के बाद फायर होने से दहशत का माहोल बन गया। इधर सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी पहुंच गई थी। पुलिस ने बताया कि फायर होने से एक गोली लोकेश अहिरवार के घर की दीवार पर लगी है। पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

मां छोडक़र चली गई थी, पिता के साथ रहती थी

17 साल की किशोरी ने लगाई फांसी, दोस्त से चैटिंग के मैसेज मिले

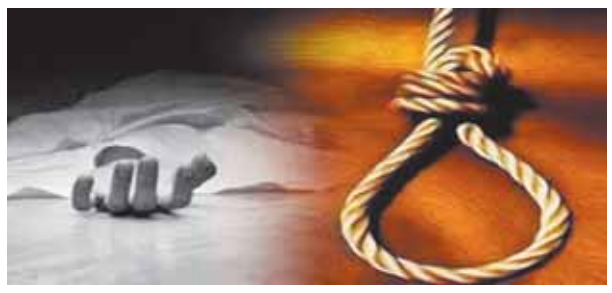

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित सुंदर नगर इलाके में मंगलवार दोपहर 17 साल की किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय पिता काम पर गए थे जबकि मां अलग रहती है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि किशोरी किसी मित्र से मोबाइल पर चैटिंग करती थी।

मोबाइल जब्त कर लिया गया है। मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया था। पुलिस के मुताबिक सुंदर नगर छोला मंदिर निवासी राकेश कुशवाह भौंरी स्थित कॉलेज में हाउस कीपिंग का काम करते हैं। आपसी कलह के चलते पत्नी अलग रहती है। राकेश के साथ उनकी 17 साल की बेटी तनीषा रहती थी। दसवीं कक्षा तक पास करने के बाद तनीषा ने पढ़ाई छोड़ दी थी। मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे तनीषा ने अपने कमरे में दुपट्टे का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पिता के ड्यूटी से लौटने पर घटना का खुलासा हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस भी पहुंच गई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। पुलिस का कहना है कि मृतका का मोबाइल फोन जब्त किया गया है। उसके मोबाइल में किसी दोस्त से चैटिंग के मैसेज मिले हैं। बेटी की मौत की सूचना मिलते ही मां घर आ गई थी। पुलिस का कहना है कि मोबाइल फोन की सीडीआर निकलवाई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद विस्तृत बयान दर्ज किए जाएंगे। उसके बाद ही आत्महत्या के कारण सामने आने की उम्मीद है।

शातिर नकबजन गिरफ्तार, 1 लाख 60 हजार का माल बरामद

भोपाल। शाहजहांनाबाद पुलिस ने दो शातिर नकबजनों को गिरफ्तार कर उनसे नकबजनी की वारदात का खुलासा किया है। आरोपियों के पास से चुराई गए सोने की तीन अंगूठी, लैपटाप सहित डेढ़ लाख रुपए का माल बरामद किया गया। आरोपियों से नकबजनी की अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार

ईदगाह हिल्स में रहने वाले फरियादी ने शिकायत दर्ज कराई?थी कि उनके घर के मुख्य गेट का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाश अलमारी में रखी सोने की तीन सोने की अंगूठी व लैपटाप चुरा लिया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपाल लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। इसके अलावा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने हिरदेश गौर पिता घासीराम गौर (29) ग्राम ऊंची ललोई थाना बैरसिया को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इस दौरान हिरदेश गौर ने अपने साथी हरि शंकर जाटव पिता गोरेला जाटव (23) ग्राम ऊंची ललोई थाना बैरसिया के साथ मिलकर वारदात करना स्वीकार ली। पुलिस ने आरोपी हिरदेश गौर से सोने की चोरी गई तीन अंगूठियां व आरोपी हरिशंकर से घटना मे चोरी गया लैपटॉप बरामद किया है।

रांग साइड से आए ट्रक की टक्कर से क्लीनर और ड्राइवर हुए घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिलखिरिया इलाके में रॉग साइड से आए एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रहे ट्रक को टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रक चालक और क्लीनर को गंभीर चोट आई है। दोनों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल क्लीनर की रिपोर्ट पर टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार महेंद्र सिंह गुर्जर (24) ग्राम सिंघोड़ा थाना नजीराबाद भोपाल का रहने वाला है और ट्रक पर क्लीनर का काम करता है। बीती इकतीस मई को वह अपने ट्रक में परचून का सामान लोड कर दिल्ली से अकोला महाराष्ट्र के लिए निकला था। ट्रक उसके गांव का ही रहने वाला हरिनारायण

सिंह गुर्जर चला रहा था। बीती दो मई की दोपहर करीब बारह बजे महेंद्र सिंह अपना ट्रक लेकर बिलखिरिया थानांतर्गत ग्राम झागरिया पहाड़ी के नीचे ग्राम अमझरा कट पाइंट के पास पहुंचा, तभी मंडीदीप से भोपाल आने वाले रोड पर रॉग साइड से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसके ट्रक में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से महेंद्र सिंह गुर्जर और ड्रायवर हरिनारायण घायल हो गए, जबकि उनके ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। दोनों घायलों को इलाज के लिए लांबाखेड़ा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची बिलखिरिया पुलिस ने बयान लेने के बाद टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित वाल्मीक मोहल्ला, मछली मार्केट में मंगलवार रात एक युवक ने अपने घर में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर निजी अस्पताल अस्पताल ले गए थे। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास से सुसाइड नोट

नहीं मिला है। साथ ही परिजन के बयान नहीं होने से आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है। पुलिस आज पीएम के बाद परिजन के बयान दर्ज करेगी। पुलिस के अनुसार मोनू राव पिता सुनील राव (23) वाल्मीक मोहल्ला, मछली मार्केट में रहता था और प्राइवेट काम करता था। परिजन ने बताया कि मंगलवार रात करीब पोने 9 बजे मोनू ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही वह मोनू को फंदे से उतारकर भैंसाखेड़ी स्थित निजी अस्पताल ले गए थे। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मोनू को मृत घोषित कर दिया।

बीमारी से परेशान बुजुर्ग महिला ने ट्रेन से कटकर दी जान

भोपाल। शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित रेलवे ट्रेक पर सोमवार शाम 58 साल की महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। अनुमान है कि लीवर की बीमारी से परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार गणेश नगर कोलार निवासी हरि बावस्कर (85) साल 2006 में पीडब्ल्यूडी से रिटायर्ड हुए थे। उनकी तीन बेटियां व एक बेटा है। पत्नी सुनंदा बावस्कर (58) पिछले काफी समय से लीवर व त्वचा रोग से पीड़ित थीं। सुनंदा घरों में काम करने जाती थीं। सोमवार दोपहर वह अपनी बेटी से थोड़ी देर में आने का कहकर घर से निकली थीं। उसके बाद लौटी नहीं। शाम करीब छह बजे उनका शव शाहपुरा रेलवे लाइन पर पड़ा मिला। परिजन ने मौके पर पहुंचकर उनकी शिनाख्त की। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि लीवर व त्वचा रोग के कारण सुनंदा बावस्कर परेशान रहने लगी थीं।

कार की टक्कर से हुई बुजुर्ग व्यक्ति की मौत, चालक पर केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार इलाके में रहने वाले एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे देखने और साक्षियों के कथन लेने के बाद मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार उदय बसंत पुरानिक (73) आलिशा विहार कालोनी कोलार रोड पर रहते थे। बीती 24 मई की सुबह करीब ग्यारह बजे वह पैदल जा रहे थे, तभी डीमार्ट के पास एक अज्ञात कार ने उन्हें टक्कर मार दी थी। मौके पर

मौजूद एक आटो चालक ने उन्हें घायल अवस्था में इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां दो दिन बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया और लाश परिजन को सौंप दी। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और साक्षियों के कथन लिए तो पता चला कि बुजुर्ग व्यक्ति को कार ने टक्कर मारी थी। उसके बाद पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पैसों के विवाद पर युवक से मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो। टीला जमालपुरा इलाके में पैसों के विवाद को लेकर एक युवक ने दूसरे के साथ मारपीट कर दी। पुलिस के मुताबिक मोहम्मद समीर (28) टीला जमालपुरा में रहता है और कबाड़े का काम करता है। तीन जून को तड़के करीब पौने चार बजे वह अपने दोस्तों के साथ बस स्टैंड से भोजन करने के बाद घर लौट रहा था। नगर निगम कालोनी के पास उसे फैजान नामक युवक मिला और पैसे मांगने का विरोध किया। समीर ने बताया कि उधारी के पैसे हैं, इसलिए मांगता हूं, इस पर फैजान ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट कर दी। दोस्त ने बीच-बचाव किया तो उसके साथ भी मारपीट की। पुलिस ने आरोपी फैजान के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है।

कार की टक्कर से स्कूटर सवार कर्मचारी घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अरेरा हिल्स इलाके में एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से स्कूटर सवार कर्मचारी घायल हो गए। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार राजकुमार बारेवार (56) अमराई परिसर बागसेवनिया में रहते हैं और जिला पंचायत कार्यालय में नौकरी करते हैं। पिछले दिनों शाम करीब साढ़े पांच बजे वह अपने कार्यालय से स्कूटर लेकर घर लौट रहे थे। मालवीय नगर स्थित पत्रकार भवन तिराहे के पास उन्हें तेज रफ्तार के चालक ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। राजकुमार को इलाज के लिए अरेरा कालोनी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मेट्रो एंकर गर्भवती होने पर खुलासा, दो महीने की गर्भवती की शिकायत पर ऑटो चालक गिरफ्तार

ऑटो से नाबालिग का अपहरण, बंधक बनाकर दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित नाइस स्पेस इलाके से 16 साल की नाबालिग का अहपरण किए जाने का मामला सामने आया है। आरोपी आटो चालक उसे अपहरण कर पिपलानी इलाके में ले गया था और एक कमरे में बंद कर उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाए। नाबालिग की तबीयत बिगड़ी और उसकी नानी उसे लेकर अस्पताल पहुंची तब जाकर पता चला कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है और उसे दो महीने का गर्भ है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने नाबालिग के बयान दर्ज करने के बाद आरोपी के खिलाफ बलात्कार, पाक्सो एक्ट, अपहरण

कर बंधक बनाने सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार गांधी नगर इलाके में रहने वाली 16 साल कि किशोरी कक्षा आठवीं में पढ़ती है। वह अपने नाना नानी के साथ रहती है। अक्सर आटो से आने जाने के कारण उसकी पहचान अनिल उर्फ सोनू उर्फ मनुआ (20) निवासी करोंद से हो गई। पहचान होने के कारण वह अक्सर अनिल के आटो से यहां वहां आने जाने लगी। पीड़िता की गत दिनों तबीयत बिगड़ी तो नानी उसे अस्पताल लेकर पहुंची थी, वहां डॉक्टर ने बताया कि नाबालिग गर्भवती है। उसे दो महीने का गर्भ है। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पुलिस ने महिला अधिकारी से उसकी काउंसलिंग कराई तो उसने बताया कि गत 8 मार्च को आरोपी अनिल उसे नाइस स्पेस कॉलोनी के पास से अपने आटो में बिठाकर पिपलानी स्थित एक मकान में ले गया था। वहां आरोपी ने डरा धमकाकर उससे शारीरिक संबंध बनाए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिरोंज जिला विदिशा (म.प्र.)

क्रमांक/निविदा/25/2106 सिरोंज दिनांक 03/06/25

नगरपालिका परिषद सिरोंज जिला विदिशा द्वारा निम्न कार्य हेतु आन लाईन निविदा का आमंत्रण किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है-

ई-टेंडर आमंत्रण सूचना

टेंडर क्रमांक	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि रू	आन लाईन निविदा का प्रपत्र मूल्य	समय अवधि
1	2	3	4	5	6
2025_UAD_426346_1	वार्ड 21 भैयालाल से दुलीचंद शाकय के घर तक सीसी रोड व नाली निर्माण	2082800/-	15600/-	5000/-	03 माह

शर्त-टेंडर डाक्यूमेंट के आधार पर निर्धारित सभी कर एवं शासन द्वारा निर्धारित जी.एस.टी. कटौत्रा किया जावेगा ।

निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड करने एवं निविदा से सम्बंधित समस्त शर्ते एवं जानकारी https://mptenders.gov.in एवं नगरपालिका परिषद सिरोंज जिला विदिशा के स्टोर शाखा से प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सिरोंज

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022